हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–273 : जौनपुर, बुधवार 05 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक, कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता बनाकर बढ़ रहे आगे : मोदी

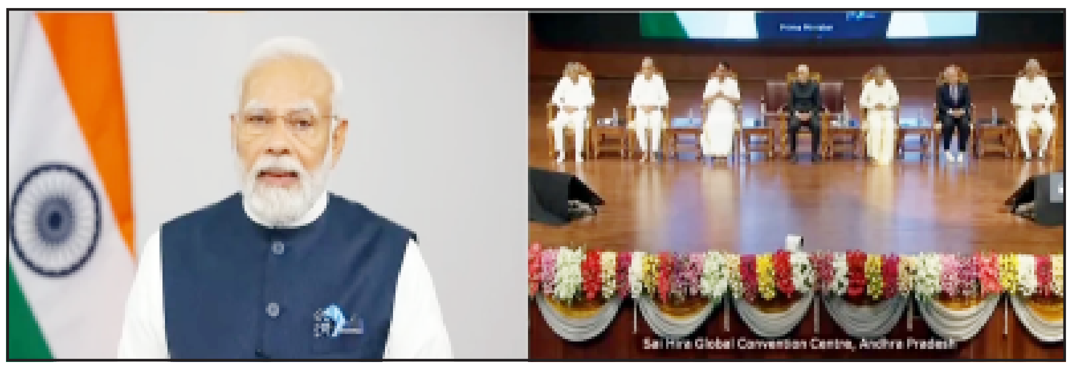

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी ने कहा कि दुनिया के कुल ऑनलाइन और डिजिटल लेनदेन का 40 प्रतिशत अकेले भारत में होता है। उन्होंने कहा कि देश में आध्यात्मिक केंद्र पुनर्जीवित हो रहे हैं, साथ ही भारत अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी में भी अग्रणी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में साईं हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने दावा किया कि भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट–अप इकोसिस्टम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी और 5जी प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में बड़े देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। मोदी ने कहा कि दुनिया के कुल ऑनलाइन और डिजिटल लेनदेन का 40 प्रतिशत अकेले भारत में होता है। उन्होंने कहा कि देश में आध्यात्मिक केंद्र पुनर्जीवित हो रहे हैं, साथ ही भारत अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी में भी अग्रणी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्री हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर के रूप में देश को एक प्रमुख विचार केंद्र मिल रहा है। इस सेंटर में आध्यात्मिकता की अनुभूति भी है और आधुनिकता की आभा भी है। इसमें सांस्कृतिक दिव्यता भी है और वैचारिक भव्यता भी है। उन्होंने कहा कि आज भारत भी कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ रहा है। आजादी के 100 वर्ष के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए, हमने हमारे श्अमृतकालश को श्कर्तव्य कालश का नाम दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे कर्तव्यों में आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भी है और भविष्य के संकल्प भी हैं। इसमें विकास भी है और विरासत भी है।मोदी ने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी और 5ळ जैसे क्षेत्रों में हम बड़े–बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। दुनिया में आज जितने भी तमंस–जपउम ऑनलाइन जतंदेंबजपवदे हो रहे हैं, उसमें 40: अकेले भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट आंध्र के करीब 40 लाख विद्यार्थियों को श्री अन्न से बना भोजन दे रहा है, ये भी एक बहुत सराहनीय पहल है। इस तरह के पदपजपंजपअम से दूसरे राज्यों को भी जोड़ा जाए तो देश को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि श्री अन्न में स्वास्थ्य भी है और संभावनाएं भी हैं। हमारे ऐसे सभी प्रयास वैश्विक स्तर पर भारत के सामर्थ्य को बढ़ाएंगे और भारत की पहचान को मजबूती देंगे।

योगी ने संपर्क स्मार्ट शाला-स्मार्ट ब्लॉक का किया शुभारंभ, बोले- बच्चों का भविष्य होगा उज्जवल

गोरखपुर। योगी सरकार में बेसिक शिक्षा परिषद की पाठशाला को अब स्मार्टशाला के नाम से जाना जायेगा। दशकों तक पिछड़े और संसाधनविहीन मान लिए गए सरकारी प्राइमरी स्कूल आधुनिक तकनीकी संसाधनों से परिपूर्ण कर स्मार्ट बनाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर जिले में संपर्क स्मार्टशाला–स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पहल गोरखपुर बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश एवं सम्पर्क फाउंडेशन ने की है। सीएम योगी ने पांच शिक्षिकों को किट भेंट की। सीएम योगी ने कहा कि इस पहल से बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर जिले में संपर्क स्मार्टशाला–स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पहल गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश एवं सम्पर्क फाउंडेशन की ने किया है। सीएम योगी ने पांच शिक्षिकों को किट भेट की। सीएम योगी ने कहा कि इस पहल से बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा।

खुद को सशक्तबनाने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीख लें युवा : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं से खुद को सशक्त बनाने और समाज में सकारात्मक प्रभाव लाने के लिए भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से सीख लेने का आह्वान किया। बौद्धों के दूसरे सबसे पवित्र दिन 'आषाढ़ पूर्णिमा' के अवसर पर सोमवार को यहां राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुर्मू का एक रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में राष्ट्रपति मुर्मू के हवाले से कहा गया है कि भगवान बुद्ध की तीन शिक्षाओं–शील, सदाचार और प्रज्ञा–का पालन करके युवा पीढ़ी खुद को सशक्त बना सकती है और समाज में सकारात्मक प्रभाव ला सकती है। उन्होंने कहा, ''आषाढ़ पूर्णिमा पर हम भगवान बुद्ध के 'धम्म' से परिचित हुए, जो न केवल हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन की एक अनिवार्य विशेषता भी है।''मुर्मू ने कहा कि बुद्ध के धम्म से वाकिफ होने के लिए ''हमें शाक्यमुनि द्वारा सारनाथ की पवित्र भूमि पर दिए गए प्रथम उपदेश को जानना और समझना चाहिए।'' कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने किया था। संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने अपने संबोधन में एक सामान्य व्यक्ति की बोधिसत्व के स्तर को प्राप्त करने की यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने कहा,

''हम सभी अपने मूल्यों से जुड़े हुए हैं, फिर भी हम अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं। सही कार्य हमारे भाग्य को बदल सकते हैं।'' राष्ट्रपति ने सोमवार को कर्नाटक के राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सदस्यों, विशेषकर महिलाओं को शिक्षा का महत्व भी समझाया।इस दौरान, उन्होंने विशेष रूप से जेनु कुरुबा और कोरागा समुदायों के पीवीटीजी सदस्यों के साथ बातचीत की और उनसे विभिन्न सरकारी पहलों का लाभ उठाने के लिए भी कहा।राजभवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''राष्ट्रपति ने पीवीटीजी समुदाय, विशेषकर महिलाओं के लिए शिक्षा के अत्यधिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समुदाय एवं महिलाओं को आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना सहित विभिन्न पहल का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।'' मुर्मू ने कर्नाटक में इस समुदाय से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाली पहली महिला से मिलकर खुशी भी व्यक्त की।

हुडा सिटी सेंटर स्टेशन का नाम मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम होगा : डीएमआरसी

नयी दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सोमवार को कहा कि दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर हुडा सिटी सेंटर स्टेशन का नाम बदलकर 'मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम' किया जाएगा। इससे कुछ घंटे पहले ही डीएमआरसी ने घोषणा की थी कि स्टेशन का नाम बदलकर 'गुरुग्राम सिटी सेंटर' किया जाएगा। यह स्टेशन हरियाणा के गुरुग्राम में पड़ता है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बेहद व्यस्त सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं वाणिज्यिक केंद्र है और जिसे 'मिलेनियम सिटी' के नाम से भी जाना जाता है। डीएमआरसी ने पहले ट्वीट किया था, ''येलो लाइन पर 'हुडा सिटी सेंटर' मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर 'गुरुग्राम सिटी सेंटर' करने का फैसला लिया गया है। इसके अनुसार, सभी आधिकारिक दस्तावेजों, संकेतक बोर्ड, घोषणाओं आदि में नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसे धीरे–धीरे बदला जाएगा।''सूत्रों ने बताया कि केंद्र तथा हरियाणा सरकार की ओर से स्टेशन का नाम बदलने का अनुरोध किया गया था। कुछ घंटों बाद, डीएमआरसी ने एक और ट्वीट किया, "येलो लाइन पर 'हुडा सिटी सेंटर' मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने के संबंध में पहले की गई घोषणा में आंशिक संशोधन करते हुए।

शरद पवार अकेले नहीं हैं हम सब उनके साथ, कांग्रेस ने कहा- एकजुट रहेगी एमवीए : संजय राउत

एजेंसी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ नेता अजित पवार के आठ विधायकों के साथ मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना–भाजपा सरकार में शामिल को राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की और उनकी पार्टी में संकट के बीच उनके साथ एकजुटता व्यक्त की। इसके अलावा उद्धव ठाकरे गुट की भी बैठक हुई। वरिष्ठ नेता अजित पवार के आठ विधायकों के

होने के बाद राकांपा मंथन में है। अजित पवार खेमे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 53 में से 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया है।महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) शि सेना–भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए राज्यव्यापी यात्रा शुरू करेगी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार साथ मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना–भाजपा सरकार में शामिल होने के बाद राकांपा मंथन में है। अजित पवार खेमे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 53 में से 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया है। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सहित पूरे देश में जो उथल पुथल चल रही है हमने उस पर आज बैठक में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव और न्ब्ब पर चर्चा हुई है। कांग्रेस, छब्ब और शिवसेना डट। के बैनर में साथ हैं। शरद पवार अकेले नहीं हैं हम सब उनके साथ हैं। न्ब्ब पर उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट आने दीजिए...कानून का कोई विरोध नहीं कर रहा...यूसीसी के ड्राफ्ट पर चर्चा हुई। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में भाग लेने के बाद, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और कार्यकारी अध्यक्ष नसीम खान शरद पवार से मिलने वाईबी चव्हाण केंद्र गए। पटोले ने राकांपा प्रमुख से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, षजिस तरह से भाजपा ने राकांपा विधायक दल में विभाजन कराया, कांग्रेस उसकी निंदा करती है। एमवीए एकजुट रहेगी और भाजपा को हराएगी।ष कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि मौजूदा संकट को देखते हुए एमवीए मजबूत होकर उभरेगा क्योंकि लोग हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा, ष्कांग्रेस एकजुट है। शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं और हम सभी मार्गदर्शन के लिए उनसे उम्मीद करते हैं।

बीजेपी करने जा रही वरुण गांधी को दरकिनार, तलाशना शुरू किया विकल्प, 2024 में ओबीसी कैंडिडेट पर लगाएगी दांव

एजेंसी

नयी दिल्ली। ये पहला मौका नहीं है जब बीजेपी ने इस तरह का कोई कदम उठाया है। इससे पहले पार्टी ने वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान भी बागी तेवर दिखा रहे फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को पार्टी ने तवज्जो नहीं दी थी। वो लगातार पार्टी के खिलाफ बयान दे रहे थे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के पास आने पर बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में है। पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी की बीजेपी से लंबे अर्से से अनबन चल रही जिस कारण वो समय समय पर बीजेपी के खिलाफ भी बयान देते रहे है। इन बयानों को देखते हुए पार्टी वरुण से किनारा कर सकती है। ऐसे में संभावना है कि भारतीय जनता पार्टी अपना उम्मीदवार लोकसभा चुनाव के लिए बदल सकती है।जानकारी के मुताबिक वरुण गांधी के इन तेवरों से नाराज होने के कारण लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पार्टी ने विकल्प की तलाश भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि आगामी चुनावों के लिए पार्टी ओबीसी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है। इसके लिए पार्टी ने स्थानीय विधायक के नाम पर मुहर लगाए जाने का मन भी बना लिया है। अगर भाजपा अपने

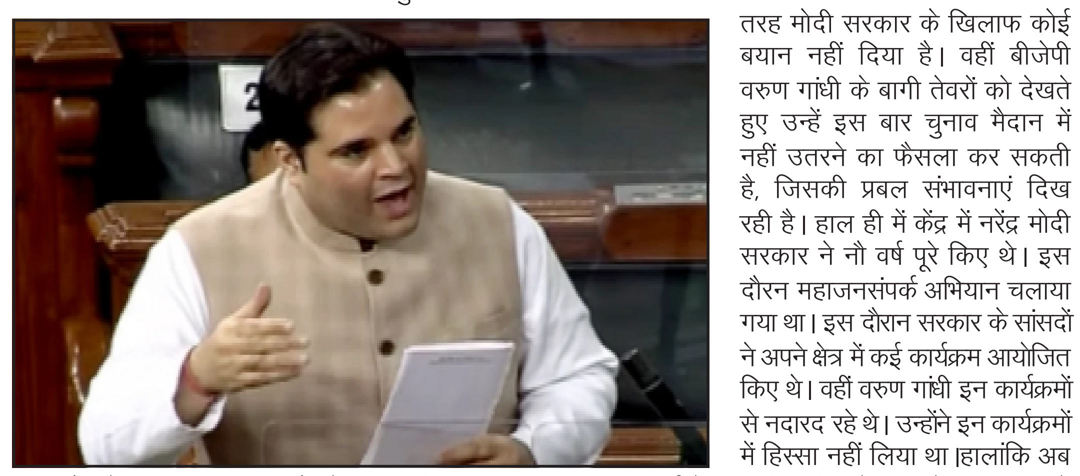

इसी फैसले पर कायम रहती है तो ये वरुण गांधी के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब बीजेपी ने इस तरह का कोई कदम उठाया है। इससे पहले पार्टी ने वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान भी बागी तेवर दिखा रहे फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को पार्टी ने तवज्जो नहीं दी थी। वो लगातार पार्टी के खिलाफ बयान दे रहे थे, इस कारण तत्काली पटना साहिब से सांसद शत्रुघ्न सिन्हा को पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। उनकी जगह पार्टी ने रविशंकर प्रसाद को मैदान में उतारा था। पार्टी द्वारा अनदेखी किए जाने से नाराज शत्रुघ्न सिन्हा ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी। वहीं इस चुनावों ने शत्रुघ्न सिन्हा जैसी ही हालत वरुण गांधी की होती दिख रही है। बता दें कि भाजपा से वरुण गांधी पीलीभीत से सांसद हैं, जबकि उनकी मां मेनका गांधी सुल्तानपुर से सांसद है। गत दिनों मेनका गांधी भी अधिकारियों पर भड़कती नजर आई थी। हालांकि मेनका गांधी ने अपने बेटे की तरह मोदी सरकार के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है। वहीं बीजेपी वरुण गांधी के बागी तेवरों को देखते हुए उन्हें इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतरने का फैसला कर सकती है, जिसकी प्रबल संभावनाएं दिख रही है। हाल ही में केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार ने नौ वर्ष पूरे किए थे। इस दौरन महाजनसंपर्क अभियान चलाया गया था। इस दौरान सरकार के सांसदों ने अपने क्षेत्र में कई कार्यक्रम आयोजित किए थे। वहीं वरुण गांधी इन कार्यक्रमों से नदारद रहे थे। उन्होंने इन कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लिया था।हालांकि अब आधिकारिक ऐलान लोकसभा चुनावों को लेकर नहीं किया गया है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि पीलीभीत सीट को लेकर खुद वरुण गांधी भी उदासीन रवैया अपनाएं हुए हैं। उनसे कई बार अधिकारियों से संपर्क साधने की कोशिश की है मगर उनसे बात नहीं हो पा रही है।

जेडीयू में होगी फूट या नीतीश फिर से करेंगे एनडीए का रूख!

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में तख्तापलट करने के लिए भाजपा के लिए संख्या एक महत्वपूर्ण कारक है। सरकार पर दावा करने के लिए, वर्तमान में 74 सीटों वाली भाजपा को 243 सदस्यीय विधानसभा में 122 सीटों तक पहुंचने की जरूरत है। इसका मतलब है कि बीजेपी को 48 और विधायकों की जरूरत है।महाराष्ट्र की राजनीति में उथल–पुथल मची हुई है। रविवार को, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार और आठ अन्य विधायक अलग हो गए और एकनाथ शिंदे–देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल हो गए। इसके साथ ही शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में विभाजन हो गया। इसके बाद से राजनीतिक हलचल खूब हो रही है। विपक्ष भाजपा पर जोड़–तोड़ की राजनीति करने का आरोप लगा रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा निगाहें अब बिहार पर आ चुकी हैं। नीतीश कुमार को लेकर भी कयासों का दौर शुरू हो गया है। इस बात की चर्चा खूब हो रही है कि महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में भी राजनीतिक उठापटक हो सकती हैं। इसका संकेत इस बात से भी मिल रहे हैं कि हाल में ही नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी जदयू के विधायकों के साथ 1–2–1 बैठक की थी। हालांकि, सवाल यह है कि आखिर बिहार को लेकर इतनी कयास क्यों लग रहे हैं? बिहार में तो महागठबंधन की सरकार मजबूती से चल रही है, हाल में ही नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता की बैठक की मेजबानी की थी। फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि सियासी चर्चा जबरदस्त तरीके से हो रही है।बिहार में तख्तापलट करने के लिए भाजपा के लिए संख्या एक महत्वपूर्ण कारक है। सरकार पर दावा करने के लिए, वर्तमान में 74 सीटों वाली भाजपा को 243 सदस्यीय विधानसभा में 122 सीटों तक पहुंचने की जरूरत है। इसका मतलब है कि बीजेपी को 48 और विधायकों की

जरूरत है। फिलहाल, सत्तारूढ़ गठबंधन के पास करीब 160 विधायक हैं। इसमें जदयू, राजद और कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं जो सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं। पिछले महीने, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (भ।ड) ने नीतीश कुमार सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। चार विधायकों के साथ भ।ड पिछले साल सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हुई थी। हालांकि, अब वह एनडीए के साथ है। भाजपा सांसद सुशील मोदी ने नीतीश कुमार पर तंज कसा है। सुशील मोदी ने कहा कि बिहार में भी बगावत की स्थिति बन रही है क्योंकि नीतीश कुमार ने पिछले 17 सालों में कभी भी विधायकों और सांसदों को मिलने का समय नहीं दिया। लोगों को साल भर इंतजार करना पड़ता था। अब वो प्रत्येक विधायक और सांसद को 30 मिनट दे रहे हैं। पिछले तीन–चार दिनों की घटनाओं का विश्लेषण करें तो कई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जो संकेत दे रही हैं कि बिहार में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक संकट हो सकता है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार एक बार फिर एनडीए में वापसी कर सकते हैं।

केजरीवाल पर भाजपा का निशाना, विज्ञापन पर खर्च हुए करोड़ों रुपये, परियोजना के लिए पैसे उनके पास नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि RRTS Project के लिए केजरीवाल को 1,138 करोड़ रुपये देने थे लेकिन नहीं दिए। केजरीवाल सर्वोच्च न्यायालय को लगातार कहते रहे कि मेरे पास पैसे ही नहीं हैं। केजरीवाल के पास इश्तिहार के लिए 1,106 करोड़ रुपये हैं लेकिन प्रोजेक्ट के लिए पैसा नहीं है।दिल्ली में राजनीतिक बवाल जारी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) परियोजना के निर्माण के लिए धन देने में असमर्थता जताने को लेकर दिल्ली सरकार को सोमवार को फटकार लगाई और उसे पिछले तीन वित्तीय वर्षों में विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन का ब्योरा देने का निर्देश दिया था। इसको लेकर भाजपा केजरीवाल सरकार पर हमलावर है। आज भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता कर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। गौरव भाटिया ने कहा कि सबसे बेईमान नेता अरविंद केजरीवाल द्वारा पिछले 3 वर्षों में 1106 करोड़ रुपये के विज्ञापन जारी किए गए हैं। आरआरटीएस परियोजना में दिल्ली का योगदान 1138 करोड़ रुपये था। हालाँकि, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बार–बार बताया है कि उनके पास परियोजना के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के मुताबिक केजरीवाल सरकार के पास विज्ञापनों के लिए पैसा है। हालाँकि, उनके पास आरआरटीएस परियोजना के लिए पैसा नहीं है जो लोगों के हित में है। ैब ने उनसे एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है जिसमें पिछले 3 साल में विज्ञापनों पर खर्च की गई रकम का ब्योरा हो। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि त्त्ज्ै च्तवरमबज के लिए केजरीवाल को 1,138 करोड़ रुपये देने थे लेकिन नहीं दिए। केजरीवाल सर्वोच्च न्यायालय को लगातार कहते रहे कि मेरे पास पैसे ही नहीं हैं। केजरीवाल के पास इश्तिहार के लिए 1,106 करोड़ रुपये हैं लेकिन प्रोजेक्ट के लिए पैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इश्तिहार के लिए तुम्हारे पास रुपया है, लेकिन त्त्ज्ै च्तवरमबज जो जनता के हित के लिए है उसके लिए तुम्हारे पास पैसा नहीं हैं। न्यायालय ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने इश्तिहार पर कितना पैसा लगाया, इसका पूरा विश्लेषण हलफनामे के साथ कोर्ट के समक्ष रखे।भाटिया ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली भ्ब् की टिप्पणी के अनुसार, षविद्वान ट्रायल कोर्ट ने उत्पाद शुल्क विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा दिए गए बयानों पर विचार किया, जिससे पता चलता है कि कैबिनेट नोट की फाइल तत्कालीन उत्पाद शुल्क आयुक्त द्वारा तैयार की गई थी और ळवड के विचार के लिए भेजी गई थी।ष साथ ही, जनता द्वारा दी गई प्रतिक्रिया को कभी भी वापस नहीं किया गया और वह गायब हो गई।श्श हाई कोर्ट ने कहा कि मनीष सिसोदिया बड़े पद पर रहे हैं, ये साक्ष्य मिटा सकते हैं, ये गवाहों को डरा सकते हैं... इसलिए इनको जमानत नहीं मिलनी चाहिए क्योंकि इन पर जो आरोप लगे हैं, वह बहुत गंभीर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी हैं 'महंगाई मैन', सरकार कर रही मुनाफाखोरी : कांग्रेस

नयी दिल्ली। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार से यह आग्रह भी किया कि वह जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए और डीजल की कीमत में कमी सुनिश्चित करे। कांग्रेस ने सब्जियों और कई खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का हवाला देते हुए मंगलवार को केंद्र सरकार पर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'महंगाई मैन' हैं।

सम्पादकीय

अंतरिक्ष में रहने का मस्तिष्क पर कैसा असर?

जो यात्री कम समय के लिए अंतरिक्ष में गए थे, उनके मस्तिष्क में बदलाव बेहद मामूली या बिल्कुल नहीं हुआ। लेकिन शोध के दौरान छह महीने या उससे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले यात्रियों में फैलाव देखा गया।अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने का मस्तिष्क पर असर होता है। इस बारे में नासा ने अध्ययन किया है। अंतरिक्ष का आकर्षण अपनी जगह है और वहां होने के खतरे अपनी जगह। अंतरिक्ष का वातावरण मानव शरीर के लिए काफी मुश्किल होता है। माइक्रोग्रैविटी के हालात और अन्य कई चीजें शरीर पर बुरा असर डालती हैं। इनमें मस्तिष्क भी शामिल है। नासा ने मानव मस्तिष्क पर अंतरिक्षीय वातावरण के असर को समझने के लिए एक अध्ययन किया है। 8 जून को नासा के विशेषज्ञों ने कहा कि जो अंतरिक्ष यात्री छह महीने से ज्यादा समय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन या नासा स्पेस शटल पर रहे हैं, उनके मस्तिष्क के बीच के हिस्से में फैलाव पाया गया। इस हिस्से को सेरिब्रल वेंट्रिकल्स कहते हैं और यह मस्तिष्क के बीचोबीच स्थित होता है। इसी में वह द्रव्य जमा होता है जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के बीच आता–जाता है। यह गाढ़ा बेरंग पानी जैसा द्रव मस्तिष्क के लिए तकिये जैसा काम करता है और झटका लगने पर उसे सुरक्षा देता है।

अपने अध्ययन के लिए विशेषज्ञों ने 30 अंतरिक्ष यात्रियों के मस्तिष्क का स्कैन किया। उन्होंने पाया कि ऐसी यात्राओं के बाद सामान्य होने के लिए वेंट्रिकल को तीन साल तक का वक्त लगा। इस आधार पर विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अंतरिक्ष यात्राओं के बीच कम से कम तीन साल का अंतर होना चाहिए।फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में न्यूरोसाइंटिस्ट हेदर मैक्ग्रॉगर के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन के नतीजे पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए हैं। मैकग्रॉगर कहती हैं, ष्अगर वेंट्रिकल्स को सामान्य स्थिति में लौटने के लिए समुचित समय ना मिले तो इससे मस्तिष्क की माइक्रोग्रैविटी में द्रव्य में होने वाले बदलावों से निपटने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।ष्वेंट्रिकल्स में बदलाव उम्र बढने के साथ–साथ भी देखा जाता है। ऐसा होने पर मरीजों की सोचने–समझने की क्षमता प्रभावित होती है। अन्य शोधकर्ता राखाएल साइडलर के मुताबिक अभी यह नहीं पता है कि वेंट्रिकल्स में आने वाले बदलाव का अंतरिक्ष यात्रियों पर क्या असर होता है। वह कहते हैं, ष्इसके लिए लंबी अवधि के ज्यादा अध्ययनों की जरूरत होगी। वेंट्रिकल के फैलने से मस्तिष्क में आसपास के उत्तक सिकुड़ सकते हैं।अध्ययन में यह भी पता चला कि गुरुत्वाकर्षण ना होने से मस्तिष्क में बदलाव होते हैं। साइडलर बताते हैं, ष्यह असर यांत्रिक लगता है। हमारी नाडियों में वॉल्व होते हैं जो हमारे शरीर के द्रवों को गुरुत्वाकर्षण के असर में पैरों की ओर बढने से रोकते हैं। अगर गुरुत्वाकर्षण नहीं होगा तो उलटा होगा यानी द्रव सिर की ओर जाएंगे। इससे वेंट्रिकल्स में फैलाव होगा और मस्तिष्क खोपड़ी में ऊपर की ओर खिसक जाएगा।ष्यह अध्ययन अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के 23 पुरुष और 7 महिला अंतरिक्ष यात्रियों पर हुआ जिनकी उम्र 47 वर्ष के आसपास थी। इनमें से आठ ने करीब दो हफ्ते तक अंतरिक्ष की यात्रा की जबकि 18 ऐसे थे जो छह महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहे। चार ने वहां करीब एक साल बिताया।

लोकसभा चुनाव की तैयार स्क्रिप्ट!

हरिशंकर व्यास

हां, भाजपा हो या कांग्रेस या क्षेत्रीय दल सभी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने को झोंक दिया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, मिजोरम, तेलंगाना के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा में चिंता नहीं है। इसलिए कि इन राज्यों में भाजपा हार भी गई तो लोकसभा चुनाव में भाजपा जीतेगी तो मोदी–शाह हारे प्रदेशों में वैसे ही वापिस सरकार बना लेंगे जैसे 2018–19 में मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र में हारने के बाद बना ली थी। तभी लगता है राजस्थान, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, तेलंगाना को लेकर मोदी–शाह–नड्डा की बैठकों में फैसले नहीं हो रहे हैं। सभी जगह बिना चेहरे के चुनाव लड़ा जाएगा और नरेंद्र मोदी अपने चेहरे पर विश्व गुरू–राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार–परिवारवाद और हिंदू–मुस्लिम राजनीति के त्रिकोण पर हिंदीभाषी हिंदुओं को नए जादू–मंतर दिखाएंगे।

जून के महासंपर्क अभियान में भाजपा के नेताओं–मंत्रियों को लोकसभा सीटों के दायरे में जितना दौड़ाया गया तथा अमेरिका से लौट कर नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में जो भाषण दिया और तमिलनाडु में राज्यपाल से भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्री को बरखास्त कराने की जो कार्रवाई हुई है उसके अर्थ दो टूक हैं। लोकसभा चुनाव के रोडमैप पर भाजपा का काम शुरू हो चुका है।

ऐसा विपक्ष के लिए भी कह सकते है। आखिर पटना में विपक्षी पार्टियों के जमवाड़े में भी लोकसभा चुनाव की प्राथमिकता झलकी। नीतीश कुमार हों या मल्लिकार्जुन खडगे या राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, ममता बनर्जी सभी अब लोकसभा चुनाव को लेकर दिमाग खपाते हुए हैं। तय मानें विपक्ष की बेंगलुरू की अगली बैठक में भी विपक्ष में और समझदारी बनेगी।

हैरानी की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका से लौटने के बाद के एक सप्ताह में भाजपा रणनीति के सभी कार्ड ओपन हुए। नरेंद्र मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उनकी गारंटी है कि वे विपक्ष के भ्रष्टाचार और परिवारवाद को एक्सपोज करेंगे। एक घर, दो कानून नहीं चलेंगे। उधर राजनाथ सिंह ने कश्मीर में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की बात कही। वही बकरीद के दिन बिहार के लखीसराय में अमित शाह ने वे तमाम बातें कहीं जो भाजपा के जनसंपर्क अभियान के एक महीने में हर जगह बोली गई और आगे जुलाई से मई तक याकि लोकसभा चुनाव तक बोली जानी है।

पहली बात, पीएम मोदी ने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया। विदेशी उनके पैर छूकर आशीर्वाद ले रहे हैं। वे विश्व गुरू हैं और उनके कारण भारत विश्व गुरू। दूसरी बात, पाकिस्तान से पहले आतंकी हमले होते थे तो कांग्रेसी चुप बैठ जाते थे। पर नरेंद्र मोदी पीएम बने तो पुलवामा व उरी में हमले हुए तब जवाब सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से दिया। धारा 370 हटाने पर विपक्ष ने संसद में कांव–कांव करके कहा था इसे हटाओगे तो खून बहेगा। पर खून तो छोडिघ्ए किसी की कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं हुई। तीसरी बात, देखो गुंडाराज, बालू व शराब माफिया राज के सिरमौर पलटू बाबू (नीतीश कुमार) पार्टियों को इकत्रा कर रहे हैं। पीएम बनने के लिए कांग्रेस की चौखट चूम रहे हैं। लालू को मूर्ख बना रहे हैं। वे उन बीजेपी विरोधियों को इकत्रा कर रहे हैं, जिन्होंने 2014 तक 20 लाख करोड़ रुपए का घोटाला किया। चौथी बात, पलटू बाबू पूछ रहे थे कि नौ साल में क्या दिया? अरे नीतीश बाबू ये भारत के विकास और सुरक्षा के नौ साल, ज्पीएम मोदी ने 70 करोड़ गरीबों के लिए काम किया.. वह किया जो आजाद भारत में पहले कभी नहीं हुआ। आखिरी बात, अशोक धाम के भोले बाबा की कृपा जो मैं आंधी–बारिश के बावजूद आ पाया और बोले भारत माता की ज्जय! आखिर मेंज्जीतना है 2024 के चुनाव में सभी सीटें बीजेपी कोज् खाओ कसम बजरंग बली की!

यह लब्बोलुआब, इस पांच सूत्री थीम में अगले दस महीनों में मोदी–शाह–भाजपा एक चक्रवाती तूफान पैदा कर देने वाले हैं। भले मौसम की हकीकत में अल नीनो का सूखा दिखलाई दे रहा हो लेकिन मई 2024 में तो उत्तर भारत में गुजरात से जम्मू और यूपी में बलिया तक भगवा हवा और आंधी को आना ही है।

मोटा मोटी मोदी–शाह का हर काम, हर बात अब लोकसभा चुनाव के लिए है। गर्वनेंस, आर्थिकी, सामाजिक दशा, अंदरूनी–बाहरी दशा सब भूल जाएं और बस यही सुनें कि नरेंद्र मोदी हैं तो देश है, हिंदू हैं और उन्हीं के कारण लोगों को खाने के लिए रोटी और रेवडियां मिल रही हैं। यदि मोदी

मोदी के नेतृत्व में भारत-अमेरिकी संबंधों का यह स्वर्णिम युग है

उमेश चतुर्वेदी

व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडन की ओर से मोदी के भव्य स्वागत के साथ ही दोनों नेताओं के बीच 22 जून को हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक का होना मामूली बात नहीं है। जिसके बाद मोदी ने अमेरिकी संसद, जिसे कांग्रेस कहा जाता है, को संबोधित किया।कभी भूखे भारत को पेट भरने की चिंता सताती थी, तब भारत के अपने लोगों की भूख मिटाने के लिए अमेरिका की चिरौरी करनी पड़ती थी। लाल रंग वाले अपने बेस्वाद गेहूं को देने के बदले में अमेरिका आंख दिखाता था, तरह–तरह की शर्तें थोपता था। यह पिछली सदी के पचास और साठ के दशक की बात है। तब तीसरी दुनिया के देश रहे भारत के प्रति अमेरिका का व्यवहार एक तरह से उपेक्षा भरा होता था। लेकिन उसी अमेरिका का रवैया अब बदल गया है। भारत के प्रधानमंत्री के स्वागत में दुनिया का सर्वशक्तिमान माने जाने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस तीसरी दुनिया रहे भारत के प्रधानमंत्री के सम्मान में भोज देता है, प्रधानमंत्री की मौजूदगी में अमेरिका की मशहूर गायिका करोड़ों भारतवासियों के रोम–रोम को स्वाभिमान से भर देने वाले 'जन गण मन' का ना सिर्फ पाठ करती है, बल्कि गान के समापन के बाद भारत के प्रधानमंत्री का पांव छूने के लिए झुक जाती है।बदले भारत की ताकत और उसके प्रति दुनिया के बढ़ते सम्मान के प्रतीक हैं ये दृश्य। कभी तिरस्कार करने और कभी धमकी देने वाले अमेरिका का रवैया अब बदला है तो इसकी वजह है भारत की वह मेधा, जिसने अमेरिका में जाकर सॉफ्टवेयर क्रांति का नेतृत्व कर रही है, वजह है भारत के मेहनतकश, जिन्होंने अमेरिकी धरती पर भी अपनी मेहनत से आर्थिक साम्राज्य खड़ा किया है और एक वजह है भारत का मौजूदा नेतृत्व, जो अब दुनिया की ताकतों के सामने आंख में आंख मिलाकर बात करता है। अब वह पिछलग्गू, दब्बू या रिरियाता नेतृत्व नहीं है। उपेक्षित और कमजोर भारत से सशक्त और वैश्विक स्तर पर सम्मानित हो रहे भारत की इस लंबी यात्रा के कारक अतीत का हर पल है, अतीत का नेतृत्व भी है। लेकिन इसकी मजबूत नींव रखी गई थी साल 1998 में, जब तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने अमेरिका की परवाह ना करते हुए पोखरण में परमाणु परीक्षण करके दुनिया को संदेश दे दिया था कि भारत अब किसी का मोहताज नहीं रहा। तब तक भारत रिकॉर्ड अन्न उत्पादन के चरम को छू चुका था, नरसिंह राव द्वारा शुरू किए।

गए उदारवाद के चलते कभी सोना गिरवी रखने वाले भारत की आर्थिकी बदलने लगी थी, जिसे वाजपेयी सरकार ने जारी रखा। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो मोदी ने अपने वैचारिक और राजनीतिक पुरखे वाजपेयी की नीतियों को ना सिर्फ आगे बढ़ाया, बल्कि पारंपरिक उदारवादी छवि छोड़ ताकत के साथ वैश्विक मंचों पर अपनी बात कहनी शुरू की। नतीजा सामने है। बीते 20 जून से 24 जून तक की प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान उभरे कुछ दृश्यों ने भारत की ताकत को ही प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री जब व्हाइट हाउस के भोज के लिए पहुंचे तो दुनिया के सबसे ताकतवर माना जाने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति उनकी अगवानी के लिए खड़ा था। मोदी को खुद जो बाइडन और उनकी पत्नी लेकर अंदर गए। भारत के इस सम्मान के पीछे हिचकोले खा रही दुनिया की आर्थिकी के बीच तनकर खड़ी भारत की विकास दर तो है ही, दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी देसी आर्थिकी भी है। दुनिया की चौथी बड़ी भारतीय सेना, अंतरिक्ष में लगातार बढ़ती भारत की भागीदारी, मेक इन इंडिया की बढ़ती धमक, आत्मनिर्भरव्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडन की ओर से मोदी के भव्य स्वागत के साथ ही दोनों नेताओं के बीच 22 जून को हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक का होना मामूली बात नहीं है। जिसके बाद मोदी ने अमेरिकी संसद, जिसे कांग्रेस कहा जाता है, को संबोधित किया। इसके बाद आए अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल के बयान को देखा जाना चाहिए, जिससे भारत–अमेरिकी रिश्तों की

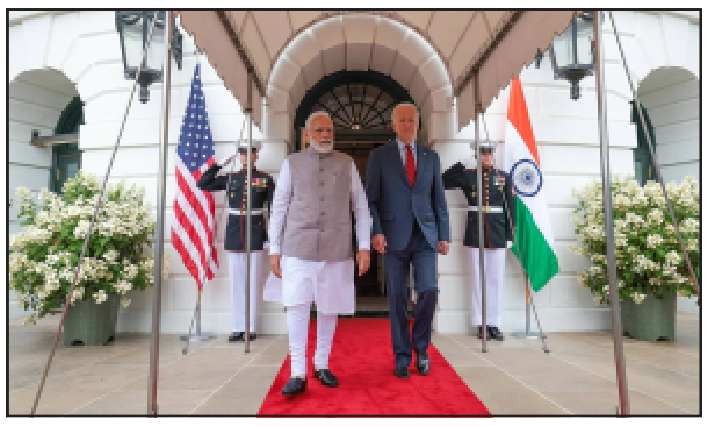

जैसे वह व्याख्या कर देता है। पटेल ने कहा कि यह हमारे दौर का कोई सामान्य पल नहीं है। पटेल यही नहीं रूके, उन्होंने आगे कहा, 'यह भारत के साथ अमेरिका के संबंधों और साझेदारी को गहरा और मजबूत करने के कदमों और प्रयासों के बारे में है। हमारा मानना है कि पिछले हफ्ते की यात्रा बहुत सफल रही। पटेल ने कहा कि दोनों देशों के बीच कई घोषणाएं की गईं, जिनमें सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को मजबूत करने के कदम भी शामिल हैं। आपने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और हमारे दोनों देशों को इंजन के साझा–उत्पादन के साथ–साथ विश्वविद्यालय अनुसंधान साझेदारी के बारे में बात करते हुए भी देखा।

यह भारत के लिए कम गर्व की बात नहीं है कि उसका प्रधानमंत्री दुनिया की उन चार महत्वपूर्ण हस्तियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने अमेरिकी संसद कांग्रेस के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। इसके पहले सिर्फ ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ही अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इस अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच कई मसलों पर समझौते हुए। इससे भारत को कई फायदे हुए हैं। सबसे पहले बात करते हैं रक्षा मामलों की। भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते के मुताबिक, अब भारत में ही लड़ाकू जेट इंजनों का संयुक्त उत्पादन होगा। इसके तहत जीई एयरोस्पेस ने भारतीय वायुसेना के हल्के लड़ाकू विमानों तेजस के लिए संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजनों का उत्पादन करने के लिए हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से समझौता किया। इसके तहत भारत में जीई एयरोस्पेस के एफ 414 इंजनों का संभावित संयुक्त उत्पादन होना है। इसकी वजह से जहां अमेरिकी तकनीक तक भारत की पहुंच बढ़ेगी, वहीं भारत में निर्माण होने की वजह से ये इंजन भारत के लिए सस्ते भी पड़ेंगे।इसके साथ ही भारत ने जनरल एटॉमिक्स के एम क्यू–9 हथियारबंद ड्रोन की खरीद का भी समझौता किया। इससे ना सिर्फ हिन्द महासागर, बल्कि चीन के साथ सीमा पर भी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और निगरानी क्षमता और मजबूत होगी। यहां जान लेना चाहिए कि एम क्यू–9 हथियारबंद ड्रोन 500 प्रतिशत अधिक पेलोड ले जा सकता है और पहले के एमक्यू–1 प्रीडेटर की तुलना में यह नौ गुना ज्यादा ताकतवर है। मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष मामले में भी समझौते हुए। इसके तहत भारत और अमेरिका साल 2024 में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने के लिए सहयोग करने जा रहे हैं। इसके साथ ही भारत आर्टेमिस समझौते में शामिल होने जा रहा है, जिसमें समान विचारधारा वाले देशों को सिविल मामलों के लिए होने वाले अंतरिक्ष खोज में एक साथ जोड़ता है। इस दौरान अमेरिका के अंतरिक्ष शोध केंद्र नासा और भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के बीच अंतरिक्ष स्टेशन पर शोध के लिए सहमति भी बनी है।मोदी के दौरे के वक्त भारत और अमेरिका के बीच एक और महत्वपूर्ण समझौता सेमीकंडक्टर निर्माण को लेकर भी हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी चिप–निर्माता कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी को भारत आमंत्रित किया। मोदी ने प्रक्रिया प्रौद्योगिकी और उन्नत पैकेजिंग क्षमताओं के विकास के लिए भी अमेरिकी कंपनी एप्लाइड मैटेरियल्स को आमंत्रित किया। इसके साथ ही उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी मोटर निर्माण कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक को भारत में विमानन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए भी बुलावा दिया।मोदी के अमेरिकी दौरे पर कूटनीतिक दिशा में भी बड़े काम हुए हैं। दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका बेंगलुरू और अहमदाबाद में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा, जबकि भारत सिएटल में एक मिशन स्थापित करेगा। इसके साथ ही अमेरिका अब ऐसा एच–1बी वीजा देने को तैयार है, जिसे देश में रहकर ही रीन्यू किया जा सकेगा। यह एक अहम फैसला है, जो अमेरिका में

रहने वाले हजारों भारतीय पेशेवरों को अपने वर्क वीजा के नवीनीकरण के लिए विदेश यात्रा की परेशानी के बिना अपनी नौकरी जारी रखने में मददगार साबित होगा। यहां याद करना चाहिए कि अमेरिका का एच–1बी वीजा गैर–अप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को उन विशेष कामों में नौकरी देने की अनुमति देता है, जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत होती है। विशेषकर तकनीकी और प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल ऐसे हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इसी वीजा पर निर्भर हैं। जाहिर है कि इससे भारत के हजारों पेशेवरों को फायदा मिलेगा।प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद अमेजन के प्रमुख जहां भारत में 15 अरब डालर निवेश को तैयार हुए हैं, वहीं गूगल भारत में डिजिटलाइजेशन के लिए दस अरब डालर निवेश करने को तैयार हुआ है।प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे और उस दौरान उन्हें मिले सम्मान के साथ ही रक्षा, अंतरिक्ष और दूसरे क्षेत्रों में हुए समझौतों से जाहिर है कि दुनिया बदल रही है और इस बदलती दुनिया में भारत की धमक बढ़ रही है। शायद यही वजह है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर मोदी के इस दौरे को ना सबसे विशेष, बल्कि अलग बता रहे हैं। यह भूखे देश के प्रधानमंत्री की यात्रा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से लबरेज भारत की यात्रा है। ऐसे में दुनिया की उम्मीदें बढ़नी ही हैं और मोदी के अमेरिका दौरे में ये उम्मीदें दिखी भीं।

विश्व मीडिया में मोदी की यात्रा

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त राज्य अमरीका की यात्रा जानदार और शानदार रही। नगाड़े बजे, लाल कालीन बिछे, तालियों की गडगडाहट के बीच नारेबाजी हुई और पुरानी दोस्ती को मजबूत करने की नई शुरूआत के दावे किये गएतो इस सबके बीच में कामकाज भी हुआ। यह सब चार दिनों में हुआ। यात्रा के कई यादगार क्षण थे और कई अच्छी तस्वीरे इकठ्ठा हो गईं हैं जो आगे पीआर के काम आएगी। भारत के कथित श्स्वतंत्रय मीडिया ने यात्रा को जबरदस्त महत्व दिया। ऐसा लग रहा था मानों मीडिया स्वयं चौंधियाया गया हो।मीडिया से हमें मालूम हुआ कि न्यूयार्क में होटलों के कमरों में बाईबल की प्रति रखी जाती है! प्रधानमंत्री के भोजन के मेन्यु तक के फोटो और वीडियो प्रकाशित–प्रसारित किए गए। कुल मिलाकर सब प्रसन्न और संतुष्ट थे। बस विलेन था तो केवल अंतर्राष्ट्रीय मीडिया, जिसने आईना दिखाने वाली खबरें देने और संपादकीय लिखने का एक भी मौका नहीं गंवाया। यहां यह याद रखा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा सचमुच महत्वपूर्ण थी क्योंकि यूक्रेन युद्ध पर भारत के रवैये और भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधी चिंताओं के चलते दोनों देशों के संबंधों में कुछ तनाव, कुछ खटास थी। इसके अलावा अमेरिका और दुनिया सभी के लिए चीन का खतरा भी सबके दिमाग में था।

इसलिए आज का मेरा खुलासाहम–आपके नजरिए से नहीं है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने मोदी की यात्रा को किस रूप में देखा, किस तरह लिया, इस बारे में है।

श्द गार्डियनत्र में हन्ना एलिस पीटरसन ने लिखा, श्भारत अब अहमरू अमेरिका नरेन्द्र मोदी की यात्रा का इस्तेमाल चीन का मुकाबला करने के लिए करना चाहता हैष (जून 21)।वे लिखती हैं, ष्जहाँ बाईडन प्रशासन भारत–अमेरिका के रिश्ते मजबूत करना चाहेगा वहीं भारतीय नेता (अर्थात प्रधानमंत्री मोदी) अगले वर्ष के चुनाव में अपने वोट बढ़ाना चाहते हैं।ष उन्होने अपने लेख में विशेषज्ञो और बुद्धिजीवियों के विचारों को स्थान देकर उसे और दिलचस्प बनाया। लंदन विश्वविद्यालय के अविनाश पालीवाल कहते हैं, ष्भारत स्वयं को एक बड़ी शक्ति मानता है और उसकी अपनी भौगोलिक बाधयताएं हैं, वह अपने बल पर और अपनी तरह की ताकत बनना चाहता है और वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर उसकी अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं। आज भले ही अमेरिका और भारत के नजरिए तथा हित एक हैं किंतु सदैव ऐसा नहीं रहेगाष।

श्फारेन अफेयर्सत्र पत्रिका में ऐशले जे. टेलिस ने मई 2023 में लिखा था, ष्भारत पर अमेरिका पर दांव उल्टा पड़ारू नयी दिल्ली, बीजिंग के विरूद्ध वाशिंगटन के साथ खड़ी नहीं होगीष।उन्होंने चेतावनी दी कि बाईडन प्रशासन भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है परन्तु उसे यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि बीजिंग द्वारा कोई संकट उत्पन्न करने की स्थिति में भारत उसका साथ देगा। ताईवान पर चीन का हमला होने पर भारत, अमरीका के साथ खड़ा नहीं होगा।ष

श्द अटलांटिकत्र ने भी खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। डेनियल ब्लाक ने लिखा, ष्अमरीका द्वारा मोदी की तारीफ भारत के असंतुष्टों के लिए यह ठीक नहीं है। भारत में प्रजातंत्र संकट में है और प्रजातंत्र के रक्षकों का साथ देने के लिए अमेरिका को सच बोलना चाहिए।ष

श्द इकानामिस्टत्र, जिसने यात्रा के हफ्ता पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर का इंटरव्यू लिया था, ने श्जो बाईडन और नरेन्द्र मोदी दोनों देशों को नजदीक ला रहे हैंष शीर्षक लेख में लिखा, श्भारत और अमेरिका के रिश्ते इस बात का टेस्ट हैं कि बहुध्रुवीय दुनिया में लोकतांत्रिक देशों के गठबन्धनों का क्या भविष्य है? क्या दोनों पक्ष आपसी सहयोग से व्यापार एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में लाभ हासिल कर सकते हैं, भले ही सैद्धांतिक मुद्दों पर वे उतने एकमत न हों जितना वे बताते हैं।ष लेख में बताया गया कि भारत का पश्चिम की ओर झुकना, दरअसल, व्यावहारिकता का तकाजा है और नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में भारत एक श्असहिष्णु लोकतंत्रत्र बनता जा रहा है। लेख में लिंचिंग की घटनाओं और अल्पसंख्यकों की वंचनातथा भारत के भयभीत मीडिया और नतमस्तक न्यापालिका की चर्चा की गई है।श्भारत के 140 करोड़ रहवासियों में से केवल 6 करोड़ के पास औपचारिक रोजगार है। एक ऐसे देश में, जहाँ लोगों को भड़काना अपेक्षाकृत आसान है, मे यह एक विस्फोटक स्थिति है।ष

लास एजिंल्स टाईम्स ने लिखा, श्भारत के मोदी को बाईडन के दौर में राजकीय यात्रा का अवसर मिला किन्तु मानवाधिकार संबंधी चिंताओं के चलते इसकी चमक कम हो गईष।सदानंद धूमे ने श्वाल स्ट्रीट जर्नलत्र में भारत की राजनीतिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, ष्बाईडन नजदीकी संबंध बनाने का प्रयास करके सही दिशा में कार्य कर रहे हैं किंतु भारत की धीमी आर्थिक वृद्धि दर और वहां व्याप्त सामाजिक उथलपुथल लंबी अवधि में खतरनाक साबित हो सकते हैं।ष इस लेख का शीर्षक थारू श्क्या अमरीका मोदी के भारत पर भरोसा कर सकता है?ष

यात्रा के दौरान एनवायटी (न्यूयार्क टाइम्स) मिनट–दर–मिनट खबरें दे रहा था, जिनमें राजकीय भोज में आमंत्रितों के नाम और कौन से व्यंजन परोसे गए, शामिल है। परन्तु इसके साथ ही उसने एक आँखें खोलने वाला विश्लेषण दिया जिसका शीर्षक थारू ष्यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रहकर भारत कैसे फायदे में हैष।लेख में बताया गया है कि रूस पर आर्थिक प्रतिबंधो के चलते भारत को कैसे लाभ हो रहा है। इस सिलसिले में अखघ्बार ने रिलाइंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाली जामनगर रिफायनरी और नायरा एनर्जी के स्वामित्व वाले (गुजरात के) वडिनार काम्प्लेक्स का जिक्र किया है। नायरा का 50 प्रतिशत स्वामित्व रूसी सरकारी तेल कंपनी रोजनेफ्ट का है और बाकी 50 प्रतिशत एक रूसी निवेशक समूह का। इस तरह भारत और रूस दोनों इस स्थिति का फायदा उठा रहे हैं।

लेकिन सबसे बेहतरीन लेख श्गार्डियनत्र में था जिसमें अनीषा दत्ता ने बताया कि बतौर लोकतांत्रिक देश अपनी रेटिंग में गिरावट मेंमोदी सरकार अपनी साख–प्रतिष्ठा बचाने के लिए किस तरह गोपनीय रूप से कोशिश कर रही है। इसमें भारत सरकार के कुछ गोपनीय दस्तावेजों का हवाला है (इस बारे में गपशप स्तंभ में ज्यादा जानकारी उपलब्ध है)। कुल मिलाकर, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने यात्रा की खबरें वैसी ही दीं जैसी वह थी। उन्होंने न तो प्रधानमंत्री मोदी को मिले सम्मान का जिक्र करने में कोई कसर छोड़ी और ना ही सड़कों पर और सीनेट में हुई तीखी प्रतिक्रियाओं की खबरों की उपेक्षा की। उनके संपादकीय सार्थक और अर्थपूर्ण थे और उनमें आलोचना करने और आशंकाएं व्यक्त करने से कोई परहेज नहीं किया गया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने राष्ट्रों के तौर पर भारत और अमेरिका तथा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति में अंतर किया। उनके लिए न भारत मोदी है, और न मोदी भारत है। ठीक वैसे ही जैसे न अमेरिका बाईडन है और न बाईडन अमेरिका है।

यूपी में योगीराज में थर-थर काँप रहा माफिया, गरीबों के आये अच्छे दिन

मृत्युंजय दीक्षित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर माफियाओं को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि पहले की सत्ता माफिया के साथ खड़ी रहती थी जबकि हम गरीबों के साथ खड़े है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले गुंडे माफिया किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लेते थे।उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मफियाओं के खिलाफ बड़े अभियान चलाये जा रहे हैं, उनके अवैध कब्जे से सरकारी तथा गैर सरकारी भूमि मुक्त हो रही है, इस मुक्त भूमि पर आवास बनाकर गरीबों को दिए जा रहे हैं, अपना घर मिलने पर इन गरीबों की आंखों में खुशीके आंसू हैं और होठों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए प्रशंसा और प्रार्थना। प्रयागराज के लूकरगंज में 1731 वर्गमीटर की नजूल की जमीन माफिया अतीक के कब्जे में थी जिसकी कीमत लगभग दस करोड़ रुपये थी, इस जमीन को 13 सितंबर 2020 को अतीक के अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया था, वर्ष 2021 में 26 सितंबर को मुख्यमंत्री ने यहाँ गरीबों के आवासीय फ्लैट्स की आधारशिला रखी और मात्र 18 माह में यह आवासीय योजना पूरी हो गयी जिस पर 5.68 करोड़ रुपये खर्च हुए। आवासीय योजना 1731 वर्गमीटर में विकसित की गयी और जिसमें दो ब्लॉक बने। गरीबों को दिए गए यह फ्लैट दिये गये हैं सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं साथ ही इनको बनाने में वास्तु का भी ध्यान रखा गया है। आवास प्राप्त करने वाले वह गरीब हैं जिन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपना घर बना पायेंगे।लाभार्थियों को आवास की चाभी देने के समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक बार फिर माफियाओं को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि पहले की सत्ता माफिया के साथ खड़ी रहती थी जबकि हम गरीबों के साथ खड़े है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले गुंडे माफिया किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लेते थे। अब ऐसा नहीं है। ये सुशासन की शुरुआत है। माफिया अतीक अहमद से मुक्त करायी गयी जमीन पर बने आवास प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरे पर जो प्रसन्नता थी वही प्रसन्नता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर भी थी। मुख्यमंत्री में जनसभा को संबोधित करते हुए ही सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किया कि प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरण माफिया से छुड़ाई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाएं। साथ ही जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गरीबों को उनके आवास की चाबी सौंपें। इससे लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास जन्म लेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किसी को भी आवास नहीं मिल पाया थ किंतु अब तक 54 लाख से ज्यादा गरीबों को आवास मिल गया है।मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में माफियाओं के कब्जे से भूमि को छुड़ाने का अभियान लगातार चल रहा है और अब तक 66,575.75 हेक्टेयर से अधिक भूमि मुक्त करायी जा चुकी है। प्रयागराज में गरीबों को आवास की चाबी सौंपने के पहले लखनऊ के पिपरसंड इलाके में एक बड़ी भूमि भू माफिया से मुक्त करयी गयी थी जिस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक अगस्त 2021 को यूपी स्टेट इंस्टीटयूट आफ फोरेंसिक साइंसेज की नींव रखी थी। दो हजार करेड़ रुपये की लागत से यह इंस्टीटयूट बनकर खड़ा हो चुका है। उत्तर प्रदेश के स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार का कहना है कि अब तक माफिया व उनके गिरोह के सक्रिय सदस्यों से 3516 करोड़ रूपये से अधिक की संपत्तियां जब्त, ध्वस्त व कब्जा मुक्त कराई जा चुकी हैं और यह अभियान अनवरत जारी है।यद्यपि माफिया अतीक के मारे जाने पर प्रदेश के तमाम विरोधी दल एक फेक नैरेटिव चला रहे थे कि प्रदेश में मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है तथापि इसकी वास्तविकता प्रयागराज में दिखाई दी जहां पर बिना किसी भेदभाव पात्रता के आधार पर मुस्लिम महिलाओं को भी आवास मिला है। योगी के कार्यों से आज ऐसे फेक नेरेटिव चलाने वाले सपा, बसपा, कांग्रेस सहित तमाम दलों के पैरों तले जमीन खिसक रही है। आज बहन मायावती जी कह रही हैं कि पसमांदा मुसलमान तो उनका ही वोटर है किंतु वह यह नहीं बता पा रही हैं कि उन्होंने पसमांदा मुसलमानों के लिए क्या किया है। यही हाल तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली सपा का है जिसने मुसलमानों के नाम पर गुंडई राज कायम कर दिया था और माफियाओं के हाथ में सत्ता सौंपी थी। आज प्रदेश में माफियाओं पर जो कार्यवाही हो रही है उससे इन दलों में घबराहट, बेचौनी और छटपटाहट भी है। प्रदेश में माफियाओं को संरक्षण देने में सपा, बसपा, कांग्रेस सहित सभी दल शामिल रहे हैं।प्रदेश में सुशासन का दूसरा सबसे बड़ा परिवर्तन यह देखने को मिला है कि इस बार प्रदेश में पहली बार बकरीद के अवसर पर कहीं पर भी सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी गई और कुर्बानी की प्रथा भी निर्धारित स्थानों पर ही हुई। मुख्यमंत्री ने बकरीद व आगामी पर्वों के अवसर पर एक समीक्षा बैठक मेंअधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा था कि बकरीद, श्रावण मास, मुहर्रम व व अन्य त्योहारोंपर अतिरिक्ति संवेदनशीलता बरती जाये और किसी भी प्रकार से कोई नयी परम्परा न प्रारम्भ हो पाये जिसका पूरे प्रदेश में अक्षरशरू पालन किया गया है।

राणा सूबेदार सिंह के आगमन की तैयारी करते क्षत्रिय समाज के शुभचिंतक

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। आजादी के बरसों बीत जाने के बाद भी क्षत्रिय समाज की

मुख्यधारा से अलग जीवन यापन कर रहे लोगों ने क्षत्रिय विकास संस्था के प्रदेश प्रभारी डॉ०जयसिंह राजपूत के नेतृत्व में श्री यस यस राज सरस्वती विद्या धाम जफराबाद (बाबा बाजार) में बैठक की,जिसकी अध्यक्षता कर रहे क्षत्रिय प्रशस्ति ग्रन्थ के ठा०आद्या प्रसाद सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि,कुछ लोग समाज में ऐसे हैं जो अपने इतिहास और पूर्वजों के बारे में जानकारी तो रखते हैं मगर मानते नहीं हैं और कुछ लोग ऐसे हैं जो मानते हैं मगर जानते नहीं हैं,इस विषम परिस्थिति को देखते हुए,मेढ़ावा नरेश राणा सुवेदार सिंह चौहान(क्षत्रिय कल्याण परिषद महा सचिव)को जौनपुर आगमन पर निवेदन किया गया है,इसी कड़ी में डा०राजपूत द्वारा अपने वक्तव्य में कहा गया कि समाज के सभी लोगों को शिक्षा और क्षत्रित्व विचारधारा पर ध्यान देने की आवश्यकता है,इस अवसर पर अमघ्ता सिंह,अजय सिंह राज,रानी चौहान,सत्यम सिंह, श्रद्धानिधि सिंह,रेनू राजपूत, श्रद्धासिद्धी सिंह आदि लोग उपस्थित रहे, संचालन प्रमोद सिंह द्वारा किया गया।

उजरियांव के सरकारी स्कूलों के बच्चों को उपहार वितरित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ । आशा फाउण्डेशन तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के तत्वावधान में उजरियांव स्थित

प्राथमिक विद्यालय तथा जूनियर स्कूल के बच्चों को चिप्स, बिस्कुट व टॉफी वितरित किए गए। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या सरिता शर्मा, सुमन मिश्रा एवं क्षमा गुप्ता, जूनियर स्कूल की इंचार्ज रेखा रौतेला के साथ आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा के साथ रेखा शर्मा, डॉ शिखा दीक्षित, मोहित तिवारी, मोण्टी सोनकर ने मैगी, बिस्कुट व टॉफी का वितरित किए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। इस अवसर पर बच्चों ने ये देश है वीर जवानों का.., देश रंगीला रंगीला..., ष्वन्देमातरम.. आदि देशभक्ति के गानों पर डांस किया तथा खुशी से झूम उठे। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या सरिता शर्मा, सुमन मिश्रा एवं क्षमा गुप्ता, जूनियर स्कूल की इंचार्ज रेखा रौतेला, आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, रेखा शर्मा, डॉ शिखा दीक्षित, मोहित तिवारी, मोण्टी सोनकर सहित अन्य लोग शामिल रहे।

निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से मतदाताओं को किया जायेगा जागरूक

जौनपुर। अपर जिलाधिकारी (वि. रा.) कक्ष में अपर जिलाधिकारी वि. रा.ध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री

राम अक्षयबर चौहान द्वारा स्वीप से सम्बन्धित कार्यक्रमों को गति प्रदान करने हेतु जनपद के सभी इन्टर कालेज व डिग्री कालेजों में गठित ई.एल.सी. निर्वाचन साक्षरता क्लब को सक्रीय करने हेतु निर्देशित किया और कहा कि निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाये और जिनकी आयु 18 वर्ष की हो चुकी है उन्हें वोटर बनने के लिए जागरूक व प्रेरित करें तथा अन्य सभी मतदाताओं को जागरूक करें कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग जरुर करें। अपर जिलाधिकारी ने परिषदीय विद्यालयों मे गठित चुनाव पाठशाला व सभी विभागों में गठित (वीडीएफ) वोटर जागरूकता फोरम को भी सक्रिय करने के लिए निर्देशित किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को दृष्टिगत रखते हुए स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाना है, जिसमें निर्वाचन साक्षरता क्लब की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, इसलिए जिन इन्टर या डिग्री कालेजों में निर्वाचन साक्षरता क्लब का गठन नहीं है वे भी शीघ्र अपने यहाँ ईएलसी का गठन करते हुए सक्रिय करें। मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी लोगों में निर्वाचन साक्षरता जरुरी है और अधिक से अधिक मतदाता जागरुक हो अपने मताधिकार का प्रयोग करें जिससे जनपद जौनपुर का मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सकें। इस अवसर पर प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

यूपी में बड़े स्तर पर तबादले, 350 डिप्टी कलेक्टर की तैनाती में हुआ फेरबदल

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में स्वास्थ्य, परिवहन सहित अलग–अलग विभागों में तबादले के बाद 350 डिप्टी कलेक्टर के तबादले कर दिए गए हैं।यूपी में मंगलवार को 350 डिप्टी कलेक्टरों के तबादले कर दिए गए हैं। इसके पहले भी प्रदेश के अलग–अलग विभागों में तबादले किए गए थे। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग सहित अलग–अलग विभागों में तबादले किए जा रहे हैं।अभी कुछ दिनों पहले ही प्रदेश सरकार ने नवपदोन्नत 67 उप जिलाधिकारियों की नियुक्ति का आदेश जारी किया था।

आलमनगर स्टेशन को सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किये जाने की दिशा में बढ़ते कदम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मंडल के लखनऊ स्थित आलमनगर स्टेशन को

सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किये जाने को दृष्टिगत रखते हुए इस स्टेशन पर अनेक प्रकार के विकास कार्य प्रगति पर हैं । आलमनगर स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्मों की कमीशनिंग हुई एवं इन पर गाड़ियों का आवागमन प्रारंभ हो गया है । इससे यात्रियों एवं गाड़ियों का आवागमन और अधिक आसान हो गया है। ज्ञातव्य है कि इस स्टेशन पर पूर्व में तीन प्लेटफार्म थे एवं इन दो नवनिर्मित प्लेटफार्म के साथ वर्तमान में इस स्टेशन पर प्लेटफार्मो की कुल संख्या पांच हो गयी है । इसके अतिरिक्त इस स्टेशन पर अन्य निर्माणाधीन कार्यों के तहत नए भवन निर्माण का कार्य तथा सर्कुलेटिंग क्षेत्र का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इस सर्कुलेटिंग क्षेत्र में एक ग्रीन जोन भी बनाया गया है साथ ही इस स्टेशन के पास से गुजरने वाली राजाजीपुरम की एप्रोच रोड का चौड़ीकरण भी किया गया है । इस दिशा में प्रगतिशील अन्य कार्यो के तहत स्टेशन पर यात्री सुविधाओं जैसे चैध्न्ै काउंटर, खानपान के स्टाल, प्रतीक्षालय एवं विश्रामालय , शौचालय पीने का पानी एवं अन्य यात्री सुविधाओं का प्रावधान किया गया है । पूर्व में हो चुके इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की कमीशनिंग में 42 रूटों का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है । सिग्नलिंग प्रणाली का उन्नयन करते हुए गाडियों का संचालन संरक्षा के सभी मानकों के साथ किया जा रहा है। नये प्लेटफार्म फुल लेंथ के बनाये गए है तथा प्लेटफार्म नंबर 1 की लम्बाई 625 मीटर है जिसपर 16ग्10 मी० का कैंटीलीवर शेड लगाया गया है, प्लेटफार्म नंबर 2 एवं 3 आई लैंड प्लेटफार्म है जिनकी लम्बाई 625 मी० है जिसपर 16X9.66 मी का शेल्टर लगाया गया है । नए स्टेशन भवन का भूतल 160X13 मी०, प्रथम तल 100X13 मी० (कुल एरिया 28000 sqm) है । इस स्टेशन को रु० 34,28,07,000/– करोड़ की लागत से बनाया गया ह।

केनरा बैंक अधिकारी संघ ने नव नियुक्त अधिकारियों का स्वागत किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ने सभी अंचल के लिए 625 पदों पर परिवीक्षाधीन अधिकारी (स्केल–1) मूल रूप से बैंक में असिस्टेंट मैनेजर को नियुक्ति पत्र दिये। केनरा बैंक अधिकारी संघ (सीबीओए) के पदाधिकारियों ने सभी नए अधिकारियों का बैंक में स्वागत किया तथा उन सभी को केनरा बैंक अधिकारी संघ से जुड़ने का महत्व समझाया। आज इस अवसर पर राष्ट्रिय स्तर के वाइस प्रेसिडेंट धनंजय सिंह, तथा लखनऊ इकाई के अंशुमान सिंह (ओ जी एस) विवेक श्रीवास्तव (डी जी एस) शालू वासवानी (सेंट्रल कमेटी सदस्य) संतोष श्रीवास्तव और विवेक सोनकर (क्षेत्रीय सचिव) तथा अन्य कर्मठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। 1966 से केनरा बैंक अधिकारी संघ (सीबीओए) केनरा बैंक का एकमात्र मान्यता प्राप्त एसोसिएशन है जिसमें बावन हजार से अधिक अधिकारी सदस्य हैं, और इसीलिए सीबीओए बैंक में अधिकारियों के कल्याण का प्रतिनिधित्व करता है। केनरा बैंक अधिकारी संघ 1966 से बैंक के ग्राहकों की सेवा करने और सभी अधिकारियों के

साथ–साथ ग्राहकों और गैर– ग्राहकों को विभिन्न तरीकों से मदद करने की अपनी कार्य संस्कृति का पर्याय बन गया है। सीबीओए ने हमेशा स्वामित्व की मानसिकता के साथ अपने बैंक के उच्च कार्यनिष्पादन की जिम्मेदारी लेने और प्रबंधन से सदस्यों को मिलने वाले लाभों की मांग करने के आदर्श वाक्य में विश्वास किया है। सीबीओए भारत और विदेश में केनरा बैंक के लगभग पचास हजार अधिकारी सदस्यों के बीच भाईचारा, एकता, मित्रता को बढ़ावा देता है और बेहतर सेवानिवृत्ति नीतियों, आवास, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और बेहतर प्रचार के अवसरों को सुरक्षित करता है। सीबीओए भारत और विदेश में सभी अधिकारी सदस्यों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक, शिक्षा और अन्य रूचि वाली गतिविधियों को बढ़ावा देता है और आउटडोर और इनडोर खेल गतिविधियों विशेष रूप से कला, संगीत, नृत्य, पेंटिंग, फोटो शूट, निबंध लेखन, वाद–विवाद का आयोजन करता है और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी प्रतिभा विकसित करने में उनकी सहायता करता है। सीबीओए बैंकर्स, वाणिज्य, भारत की अर्थव्यवस्था, वित्त और अन्य संबद्ध विषयों से संबंधित विषयों पर सेमिनारों की व्यवस्था और संचालन करता है। केनरा बैंक की परंपरा को ध्यान में रखते हुए रहे संग, बढ़े संगश के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने और सेवा करने में बैंक की सहायता करता है। सीबीओए ने कैनपाल, थिंक टैंक, हेल्प टैंक, कैन बंधन, बी पॉजिटिव का गठन किया है और अपने सदस्यों को रक्तदान, परामर्श सुविधाएं और चिकित्सा सहायता, जैसे– बैंक से अस्वीकृत राशि का भुगतान और गंभीर बीमारी में सदस्यों को बैंक द्वारा निर्धारित चिकित्सा सीमा से परे मदद और सदस्य अधिकारियों के परिवारों को आपातकालीन स्थिति में अन्य वित्तीय सहायता का कार्य कर रहा है। सामाजिक दायित्व के निर्वहन के अंतर्गत भी सीबीओए लागातार गराबों को सामान वितरण, रक्तदान, एनजीओ के सहयोग से अनाथ बच्चों, वृद्धों की सहायता इत्यादि गतिविधियां करता रहता है। सर्व मित्र भट्ट पदाधिकारी सी बी ओ ए केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ ने उक्त जानकारी दी।

एस आर ग्रुप में मिक्रोमक्स में 78 छात्रों का चयन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में आज भगवती प्रोडक्ट लिमिटेड (मिक्रोमक्स)जयपुर राजस्थान कंपनी द्वारा

इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एवं बायोटेक इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें 200 छात्रों ने प्रतिभा किया कंपनी द्वारा छात्रों को १४५०० रूपीस का वेतनमान दिया जाना सुनिश्चित किया गया। चयन प्रक्रिया में ग्रुप डिस्कशन इंट्रोडक्शन के बाद 78 छात्रों को चयनित किया गया। छात्रों के नाम इस प्रकार है अभिषेक जैस्वाल,अभिषेक कुमार,अभिषेक कुमार गौतम , आदर्श कुमार, आकांक्षा पोरवाल ,

आकांक्षा साहू , अलोक कुमार , अलोक पल ,अनामिका पल ,आनंद प्रताप सिंह ,अंजलि वर्मा , अंकित पल , अंकित राज , अंकुर कुमार ,अनूप गौतम ,अंशुल कुमार ,अपूर्व शाक्य ,अर्चित कुमार गुप्ता , अरुण कुमार ,आर्यन श्रीवास्तव ,आशीष कुमार ,आशीष कुमार यादव , तु स कुमार मिश्रा ,अवधेश कुमार ,आयुष त्यागी चंचल सिंह ,दीपांशु गौतम,धर्मराज,गौरव शर्मा ,हर्षिता पटेल ,हिमांशु गौतम ,इन्द्रसेन सिंह , जसवंत यादव कमलेश कुमार , कमलेश कुमार ,कशिश ,किशन ,किशन सरोज,महेश कुमार,मनीष राज,मोहम्मद रूमान मोहद नसीम अंसारी,नीलाक्षी सिंह,,नीतील सिंह,नितिन कुमार, पवन कुमार, पवन कुमार ,पवन कुमार ,पवन कुमार, प्रतिमा देवी, प्रियांशु सिंह,पूजा कुमारी,रध्या यादव,राहुल कुमार गौतम,राजेश कुमार, रजनीश पटेल,रविकांत रावत,रीता देवी,ऋषभ शुक्ल,रॉयल गौतम,सबा अख्तर,सद्दाम हुसैन,संतोष कुमार ,सतीश कुमार चतुर्वेदी,सौरभ कुमार,सौरभ कुमार मिश्रा,शगुन राजपूत,शिवम् शर्मा,शिवानंद यादव,

शिवानी राव,शोभना सिंह,सुमित सिंह,सुरेंद्र गौतम,सुरजीत कुमार,सुशिल कुमार,स्वाति,उज्जवल श्रीवास्तव विजय वर्मा,विपिन कुमार,यसरा फैजा ,योगेश , प्रभाकर, छात्रों को ग्रैजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर नियुक्त किया गया और उनकी जॉइनिंग आने वाली 10 जुलाई को निर्धारित किया गया। छात्रों के चयन उपरांत संस्थान के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान ने कहा की छात्र अपने बैचलर डिग्री के साथ साथ अपने तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करके किसी भी कंपनी में सर्वोच्च स्थान तक पहुंच सकते हैं। और सभी कंपनी में इसी मानक से उनका गुणों का उन्मूलन किया जाएगा तथा सभी एचआर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बड़े चौधरी के बिना पहला लोस चुनाव, जयंत के कदम पर टिकीं सबकी निगाहें, सत्ता की नाव में होंगे सवार या...

संवाददाता

लखनऊ। बड़े चौधरी के बिना पहला लोकसभा चुनाव है। जयंत चौधरी के कदम पर सबकी निगाहें टिकीं हैं। जयंत सत्ता की नाव में सवार होंगे या विपक्ष में रहेंगे। हालांकि जयंत चौधरी कर चुके हैं साफ कि वह विपक्ष में हैं। वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव ऐसा पहला चुनाव होगा जब रालोद बिना चौधरी अजित सिंह के इस चुनावी रण में कूदेगी। ऐसे में इस चुनाव को लेकर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के कदम पर सबकी निगाह है। हालांकि जयंत साफ कह रहे हैं कि वह विपक्ष में हैं और विपक्ष की अगली बड़ी बैठक में शिरकत करेंगे। बावजूद इसके यह चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले ही जयंत सत्ताधारी पार्टी की नैया में सवार हो जाएंगे या फिर विपक्ष में ही हुंकार भरेंगे। दरअसल चर्चाओं का यह बाजार 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक के बाद ज्यादा गरम हुआ। इस बैठक में जयंत चौधरी शामिल नहीं हुए थे। हालांकि वह देश के बाहर थे और उन्होंने बाकायदा पत्र जारी कर इस

बैठक का समर्थन किया था। बावजूद इसके सियासी गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई कि जयंत की नजदीकी एनडीए सरकार के साथ बढ़ रही है। हो सकता है कि वह लोकसभा चुनाव से पहले उनके पाले में खड़े नजर आएं। इससे पहले चाहे नगर निकाय का चुनाव हो या अन्य कई कार्यक्रम, जयंत और सपा प्रमुख अखिलेश यादव साथ साथ नजर नहीं आए। दोनों का गठबंधन होने के बावजूद साथ साथ न होना कई सवाल खड़े कर गया जिसे और मजबूत किया 23 जून को हुई पटना की बैठक ने। हालांकि जयंत ने जो पत्र इस बैठक को लेकर बिहार के सीएम और पटना बैठक के आयोजक नीतीश कुमार को लिखा था उससे यह लग रहा था कि वह पूरी तरह से विपक्ष के साथ हैं। उन्होंने लिखा था कि आज देश में अधिनायकवादी और साम्प्रदायिक शक्तियां जिस तरह लोकतंत्र तथा सामाजिक समरसता के लिए खतरा पैदा कर रही हैं, उसे देखते हुए विपक्षी दलों का एकजुट होना समय की मांग है। इधर केंद्रीय रामदास अठावले ने लखनऊ में यह कह दिया कि जयंत भी एनडीए में आ जाएंगे। इस बयान ने फिर से यह बहस शुरू कर दी कि लोकसभा चुनाव में जयंत का रुख क्या होगा। चूंकि लोकसभा चुनाव में पहले चौधरी अजित सिंह सियासी मौसम को भांपते रहे और इस बार वह चुनाव में नहीं है। ऐसे में जयंत को ही सियासत की बिसात पर सधे दांव चलने की चुनौती है। अजित सिंह के बिना जयंत यूपी का विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। सपा के साथ गठबंधन में वह चुनाव लड़े। उनके विधायकों की संख्या इस चुनाव में आठ गुनी हो गई पर सत्ता से यह गठबंधन दूर ही रहा। लोकसभा के लिए उनके बिना यह पहला चुनाव होगा। ऐसे में लंबे समय से सत्ता से दूर रहने के कारण जयंत को कई बिंदुओं पर अहम मंथन करना होगा। हालांकि विधानसभा चुनाव में जयंत ने कहा था कि किसानों के मुद्दों पर अब इतना दूर निकल आए हैं कि भाजपा के साथ खड़ा होना मुमकिन नहीं है। लड़ाई विचारों की है। यही बात वह अब भी कह रहे हैं कि वह विपक्षियों की बैठक में इस बार शामिल होंगे। बावजूद इसके सियासी रंगत कब बदल जाए, इसे लेकर भी तमाम चर्चा हैं। रालोद महासचिव राजेंद्र शर्मा कहते हैं कि चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा, भाजपा पहले ही यह अफवाह फैलाना शुरू कर देती है कि रालोद उनके साथ आ रहा है। इस बार भी यह अफवाह ही शुरू की गई है। बाकी रालोद का सपा के साथ गठबंधन पक्का है जो लोकसभा चुनाव में भी रहेगा।

माफिया मुख्तार के जरिये ही नगालैंड में बना था संदीप का लाइसेंस

संवाददाता

लखनऊ । एसटीएफ ने सपा विधायक के साले संदीप सिंह को अवैध शस्त्र लाइसेंस के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उसका शस्त्र लाइसेंस बनवाने में माफिया मुख्तार अंसारी की भूमिका सामने आई है।सपा विधायक अभय सिंह के साले संदीप सिंह के अवैध शस्त्र प्रकरण के बारे में अहम खुलासा हुआ है। माफिया मुख्तार अंसारी ने ही अपने गुर्गे के जरिये संदीप का लाइसेंस बनवाया था। ट्रांसफर कराने की प्रकिया भी इसी गिरोह ने कराई थी। यही वजह है कि लाइसेंस मुख्तार के पते पर ट्रांसफर हुआ था। जांच में ये खुलासा हुआ है।एसटीएफ ने संदीप सिंह को अवैध शस्त्र लाइसेंस मामले में गिरफ्तार किया था। एसटीएफ ने खुलासा किया था कि संदीप का जो राइफल का लाइसेंस है वह नगालैंड से फर्जी बनवाया गया। जिसे मुख्तार के पते पर ट्रांसफर कराया गया। अयोध्या से बनवाए गए पिस्टल लाइसेंस में आपराधिक इतिहास छिपाया गया। विभूतिखंड थाने में एसटीएफ ने एफआईआर दर्ज कराई थी। सूत्रों के मुताबिक तफ्तीश में सामने आया कि मुख्तार अंसारी के गिरोह का नेटवर्क नगालैंड में था। उसी नेटवर्क के जरिये मुख्तार ने संदीप का लाइसेंस बनवाया था। इसमें कौन कौन से बिचौलिए रहे, अब उनके बारे में जांच टीम पता कर रही है।गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ ने संदीप से गहनता से पूछताछ की थी फिर वह जेल भेजा गया था। पुलिस ने जब विवेचना शुरू की तो कोर्ट की अनुमति लेकर जेल में जाकर उससे पूछताछ की। कस्टडी रिमांड पर भी लिया था। सूत्रों के मुताबिक संदीप ने पूछताछ में खुद कुबूला था कि मुख्तार से उसका संपर्क था। लाइसेंस बनवाने से लेकर ट्रांसफर करवाने में उसी की भूमिका रही। इसमें पुलिस और प्रशासन के संबंधित लोगों ने भी साथ दिया। जिस तरह से संदीप सिंह के अवैध शस्त्र लाइसेंस में ट्रांसफर कराने से लेकर नवीनीकरण की प्रकिया की गई।

54 लाख का बना कर्जदार तो खुद के अपहरण की कहानी रच मांगी फिरौती

संवाददाता

लखनऊ। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से उसे दो घंटे में चारबाग के होटल से पकड़ लिया। पुलिस से इंजीनियर ने दावा किया कि वह क्रिप्टो करंसी ट्रेडिंग में 54 लाख रुपये का कर्जदार हो गया है। उसने कर्जा चुकाने के लिए यह साजिश रची।बिहार निवासी मरीन इंजीनियर ने सोमवार दोपहर लखनऊ आकर अपने अपहरण की कहानी रचते हुए परिवारीजन से 20 लाख की फिरौती मांगी। घरवालों से अपने ही खाते में तीन लाख रुपये ट्रांसफर कराए। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने सर्विलांस की मदद से उसे दो घंटे में चारबाग के होटल से पकड़ लिया। पुलिस से इंजीनियर ने दावा किया कि वह क्रिप्टो करंसी ट्रेडिंग में 54 लाख रुपये का कर्जदार हो गया है। उसने कर्जा चुकाने के लिए यह साजिश रची। पुलिस की जानकारी पर परिवारीजन लखनऊ के लिए रवाना हो गए।बिहार के रोहतास निवासी ठेकेदार राजेंद्र का बेटा नमन उर्फ गोलू कोलकाता से मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद बंगलूरू की कंपनी में काम करता है। सोमवार को वह लखनऊ आया और केजीएमयू में कार्यरत डॉक्टर (होने वाले बहनोई) से मुलाकात की। इसके बाद वह वहां से चला गया। दोपहर करीब तीन बजे नमन के नंबर से परिवारीजन को कॉल गई। इसमें कॉलर ने कहा कि उसके बेटे नमन का अपहरण कर लिया गया है। उसके खाते में 20 लाख रुपये ट्रांसफर करो। पैसे न देने और पुलिस को खबर देने पर नमन को मार दिया जाएगा। यह सुन परिवारीजन स्तब्ध रह गए। उन्होंने एक लाख रुपये तुरंत भेजे। फिर नमन की बहन ने दो लाख रुपये खाते में जमा किए। साथ ही उसने लखनऊ पुलिस को दोपहर 3:30 बजे मामले की सूचना दी। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि पड़ताल में छह टीमें लगाई गईं। दो घंटे बाद चारबाग के होटल से नमन को पकड़ लिया गया।एडीसीपी ने बताया कि नमन ने फन वायस एप से इंटरनेट कॉल की थी। यही वजह है कि बात उसने खुद की थी, पर आवाज अलग थी। इंटरनेट कॉलिंग के लिए जिस एप का इस्तेमाल किया, वह ट्रेस नहीं हो सकता। इसके अलावा उसने प्रोटेन मेल एप के जरिये एक ईमेल भी परिवारीजन को भेजा था। इसे भी ट्रेस करना संभव नहीं हो पाता है। इस तरह के एप का इस्तेमाल हैकर्स करते हैं। पकड़ में न आए, इसलिए नमन ने इसका इस्तेमाल किया।नमन ने कॉलिंग व ईमेल करने में एहतियात बरती, पर उसने एक गलती कर दी थी। उसे यकीन था कि परिवारीजन पुलिस को सूचना नहीं देंगे, इसलिए बेफिक्र होकर अपना मोबाइल ऑन रखा था।

बछड़ा सुल्तानपुर में जल भराव के चलते राहगीरों व स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी

जल निकासी न होने के चलते वर्ष भर तालाब में इकठ्ठा रहता है पानी

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के बछड़ा सुल्तानपुर देवकाली सम्पर्क मार्ग पर स्थित तालाब में किसी ओर जल निकासी न होने के चलते वर्ष भर जलभराव बना रहता है।बारिश के दिनों में यह गंभीर समस्या और हो उत्पन्न हो जाती है।यहां जलभराव के चलते इधर से गुजरने वाले राहगीरों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।वही इस जगह पर इकट्ठा गन्दा पानी आसपास के मकानों में जा रहा है।जिसके चलते वहां के स्थानीय लोग व राहगीर को इस बात का खतरा बना रहता है उनको कहीं जहरीला सांप व अन्य जानवर न काट ले।इसके अलावा यहां पर इकट्ठा गंदा पानी के यहां पर रहने वाले लोगों के मकानों में जा रहा है। जिसके चलते वहां के लोगों में इस गंदे पानी से संक्रमित बीमारियों के फैलने का भय बना रहता है। यहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि यह गंभीर समस्या आज से नहीं है बल्कि कई वर्षों से बनीं हुई है।बारिश को छोड़िये यहां पर हमेशा सड़क पर जलभराव बना रहता है।बता दें इस समय बछड़ा सुल्तानपुर देवकाली बेनीगंज सम्पर्क मार्ग लगभग एक किलोमीटर तक जलभराव ही दिखाई दे रहा है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीर कतरा रहे हैं।वे लोग देवकाली तिराहा होते हुए फिर बछड़ा सुल्तानपुर की ओर आते हुए दिखाई दे रहे हैं।इस समय बच्चों का स्कूल कालेज खुल जाने बच्चों को अपने अपने स्कूल व कॉलेज जाने में या तो इस गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है या फिर घूमकर जाना पड़ता है।मालूम हो कि यहां पर एक दो अस्पताल के अलावा क्लीनिक भी है। जहांध इलाज कराने आने वाले मरीजों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।यहां के निवासियों ने बताया कि इस गंभीर समस्या के बारे में कई बार स्थानीय पार्षद के माध्यम से नगर निगम प्रशासन को अवगत कराया।परंतु वहां पर कोई सुनवाई न होने के चलते यह गंभीर समस्या आज भी बनी हुई है। यहां के लोगों ने इतना जरुर बताया कि अधिक दबाव पड़ने पर नगर निगम के कर्मी पंपिंग सेट से इसका पानी निकालते तो है परन्तु इसका स्थाई निदान न होने के चलते यह समस्या आये दिन बनी रहती है।वहां के लोगों ने यह भी बताया कि इस तालाब में बारिश व आसपास का पानी किसी ओर जल निकासी न होने के चलते इकठ्ठा रहता है। जिसके चलते यह गंभीर समस्या बनी हुई है।

व्यापारियों ने नवागंतुक इंस्पेक्टर धीरज कुमार शुक्ला को किया सम्मानित

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाने के नवागत प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार शुक्ला से सोमवार को नगर के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नवागत थानाध्यक्ष को प्रतीक चिन्ह भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान इंस्पेक्टर श्री शुक्ला जी ने व्यापारियों का स्वागत किया।मुलाकात के अवसर पर उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं को सुना और अपना सुझाव भी दिया।वहीं व्यापारियों ने प्रभारी निरीक्षक से अपनी बात रखते हुए कहा कि जब वह लोग शाम को अपनी दुकान बंद करके घर जाते हैं तो उनका कई बार चौराहों पर चालान काट दिया जाता है।इस प्रकार की चेकिंग से व्यापारियों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामान करना पड़ता है।इस कृत्य पर विराम लगाया जाये। इस पर थानाध्यक्ष ने व्यापारियों को आश्वस्त किया और साथ ही प्रभारी निरीक्षक ने आवाह्न किया कि पवित्र माह सावन में मेन रोड पर मीट की जो दुकानें है वे पूर्णतया बंद रहेगी। और जो रिक्शा या गाड़ी रोड के किनारे खड़ी रहती है वो नहीं खड़ी होगी। ठेली वाले रोड से पीछे हटा के लगाएंगे। जिससे कावड़ियों को असुविधा न हो साथ ही आवागमन भी बाधित न हो।इस मौके पर उन्होंने सभी व्यापारियों को हर तरह के सहयोग का आश्वाशन दिया। इस अवसर पर अरविंद बाजपेयी,,अनीश खान,श्याम मोहन मिश्र,संतोष बाजपेयी,अजीत गुप्ता ,नूर अहमद,मेराज खान,अनीत राजपूत,इंद्रपाल कुशबाहा ,जुगल किशोर,रजनीश गुप्ता,सतेंद्र मिश्र के अतिरिक्त अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कालेज के नवनिर्मित दो कमरों का किया उद्धघाटन

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–(हरदोई)' कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में विद्यालय प्रबंधन की तरफ से निर्मित कराये गये दो कमरों का उद्धघाटन समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। मंत्रोचारण के बीच नवनिर्मित कमरों का उद्घाटन सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह शरानूश एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह संजीव खरे की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ – अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल के कर कमलों द्वारा किया गया। कालेज पहुंचने पर विधायक सहित अन्य अतिथियों का कालेज के प्रबंधक एडवोकेट उत्कर्ष मिश्रा एवं प्रधानाचार्य डॉ वी पी द्विवेदी की अगुवाई में कालेज स्टॉफ की ओर से स्वागत किया गया। सर्वप्रथम विधायक एवं प्रांत प्रचारक ने मां सरस्वती के मंदिर में पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये साथ ही विधायक एवं प्रचारक ने कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य/विधायक स्व0 ब्रज बल्लभ सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।तत्पश्चात मंत्रोचारण के बीच नवनिर्मित कमरों का उद्धघाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय स्टॉफ के अलावा भाजपा के पदाधिकारी , कार्यकर्ता एवं नगर के काफी संख्या में संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज व शहर में एसआईटी ने दी दबिश

संवाददाता

फतेहपुर। ईसीआई चर्च में सामूहिक धर्म परिवर्तन मामले में फरार चल रहे आरोपियों के ठिकानों में सोमवार को एसआईटी की दो टीमों ने दबिश दी। एक टीम प्रयागराज रवाना हुई, दूसरी टीम ने शहर में दबिश दी।सदर कोतवाली क्षेत्र के हरिहरगंज स्थित ईसीआई चर्च में 14 अप्रैल 2022 को सामूहिक धर्मांतरण का आरोप लगा था। मामले में पहले चर्च के पादरी विजय मसीह समेत 56 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। धर्मांतरण में विदेश फंडिंग के तार भी जुड़े हैं। धर्मांतरण के तार प्रयागराज नैनी स्थित शुआट्स एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के चांसलर जे ऑलिवर, वीसी आरबी लाल, डायरेक्टर विनोद बी लाल से जुड़े। आरोप लगा कि इनके इशारे पर जिले में बड़े पैमाने में धर्मांतरण कराया गया है। शुआट्स में यीशू दरबार में धर्मांतरण के क्रियाकलाप होते हैं। संस्था वर्ल्ड विजन, शुआट्स के जिम्मेदारों समेत 35 नाम विवेचना में शामिल हुए। धर्मांतरण के इन सभी पर पांच मुकदमे सदर कोतवाली में दर्ज हैं। कई आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत मिली है। बाकी के गैरजमानती वारंट जिला कोर्ट से जारी हुए हैं। प्रकरण की जांच एसआईटी कर रही है।एसआईटी के इंस्पेक्टर रामशीष यादव टीम के साथ वारंट लेकर प्रयागराज रवाना हुए। वहां शुआट्स के प्रोफेसर मो. इम्तियाज और विशाल ए के ठिकानों पर दबिश दी। शुआट्स परिसर भी इनकी तलाश में पहुंची। इसके बाद प्रयागराज मेउ रोड निवासी ऋषि बर्नवास और मिर्जापुर जिला कछवा थाना क्षेत्र के रामापुर निवासी नीरज चौधरी की तलाश में पहुंची। इधर, शहर में एसआईटी की दूसरी टीम ने आबूनगर निवासी शिक्षक आशीष इमैनुअल, पटेल नगर निवासी शालिनी सैमसन, छोटेलाल, रेणुका लिली सी, रेल बाजार निवासी मुकुल कुमार के घरों में दबिश दी। कोई आरोपी हत्थे नहीं चढ़ा है। मामले के स्वतंत्र गवाह और पूर्व छात्र ने दिनेश शुक्ला ने बताया कि पुलिस की शिथिलता की वजह से आरोपी पकड़े नहीं जा रहे हैं। एसआईटी प्रभारी व सीओ सिटी वीर सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी गई है।

सहआरोपी पिता-पुत्र ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया

संवाददाता

फतेहपुर। लव जिहाद में फंसाकर युवती से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सहआरोपी पिता–पुत्र ने कोर्ट में सोमवार को आत्मसमर्पण किया है। आरोपियों की पुलिस टीमें सरगर्मी से तलाश कर रही थीं। टीमों को चकमा देकर कोर्ट में पिता–पुत्र हाजिर हुए हैं।राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव की हिंदू युवती (19) बिंदकी कोतवाली के फरीदपुर गेस्ट हाउस में 22 जून को रिश्तेदार की शादी में गई थी। झांसा देकर पूर्व परिचित सोनू उर्फ सिकंदर निवासी ज्वालागंज युवती को गेस्ट हाउस से कुछ दूर निर्माणाधीन मकान पर ले गया था। वहां दुष्कर्म के बाद युवती को ईंट से कूंचा था। उसे मरा मानकर सिकंदर भाग निकला था। कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज दौरान 26 जून को युवती की मौत हुई थी। पुलिस ने सिकंदर को 25 जून को जेल भेजा था। घटना में पुलिस ने सिकंदर के पिता इस्लाम उर्फ टिन्नू और बड़े भाई अलाउद्दीन उर्फ छोटू को सहआरोपी बनाया था।पुलिस टीमें पड़ोसी जिलों और कई स्थानों पर दोनों की तलाश में दबिश दे रही थी। इधर, आरोपी इस्लाम उर्फ टिन्नू और अलाउद्दीन ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र डाला था।

भाजपा सांसद अशोक रावत की नाराजगी एस डी एम को महंगी पड़ी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) सांसद अशोक रावत की नाराजगी उपजिलाधिकारी बिलग्राम को महंगी पड़ गई उनको उपजिलाधिकारी बिलग्राम से हटाकर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात कर दिया गया।

ज्ञातव्य हो कि बिलग्राम के उप जिलाधिकारी नारायण सिंह ने नगरपालिका अध्यक्ष शपथ ग्रहण समारोह में सांसद अशोक रावत का इंतजार किए बगैर नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सभासदों को शपथ दिला दी थी । इस पर सांसद ने भारी नाराजगी जताई थी उन्होंने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से करने के साथ ही उप जिलाधिकारी के इस व्यवहार पर उन्हें कड़ी फटकार लगाई थी। शपथ ग्रहण समारोह में भरे मंच पर उन्होंने उप जिलाधिकारी के इस व्यवहार को अत्यंत निंदनीय बताया था। इसी नाराजगी का परिणाम बुधवार को उन्हें झेलना पड़ा।

जिलाधिकारी एम पी सिंह ने उन्हें उप जिलाधिकारी बिलग्राम से स्थानांतरित कर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट बना दिया है। इस स्थानांतरण की चर्चा जिले में जोरों पर है। अब संजीव ओझा को बिलग्राम का उप जिलाधिकारी बनाया गया है। अभी तक वह मुख्यालय पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य देख रहे थे।

इससे पूर्व भी बिलग्राम में तैनात रहे श्री सिंह की कार्यप्रणाली को लेकर कई बार लोगों ने सवालिया निशान लगाए हैं। कई बार वह सुर्खियों में आए। अंत में सांसद के साथ किए गए इस व्यवहार के चलते उन्हें अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

त्योहार पर हादसों में तीन की गई जान

संवाददाता

फतेहपुर। तीन स्थानों पर सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसों से आषाढ़ी और गुरुपूर्णिमा पर्व मना रहे परिवारों में मातम छा गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है।गाजीपुर थाना क्षेत्र के आसलपुर गांव निवासी लखन का पुत्र नितिन (18) कस्बे में परचून की दुकान से त्योहार का सामान लेकर बाइक से घर जा रहा था। दरौली मोड़ के पास औंगासी की ओर आ रही बस के चालक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी और बस समेत भाग निकला। हादसा देखकर आसपास के लोग पहुंचे। मौके पर ही युवक को मृत पाया। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए था। हादसे से मां मालती देवी, छोटे भाई छोटू हाल बेहाल है। बस का पता नहीं लग सका है।इधर, हुसैनगंज थाना क्षेत्र के जगतपुर गांडा निवासी किसान राम विशाल (55) साइकिल से रविवार शाम शहर त्योहार का सामान लेने आया था। पक्का तालाब से सामान लेकर लौट रहा था। लखनऊ बाईपास एफसीआई गोदाम के पास पहुंचा। उसे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में इलाज दौरान किसान की मौत हो गई। मृतक के पुत्र वीरेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक चालक राजेश पर मुकदमा दर्ज किया है। वीरेंद्र ने बताया कि पिता बाजार से त्योहार का सामान लेकर घर आ रहे थे। पुलिस ने ट्रक चालक का नाम पता एफसीआई गोदाम के रजिस्टर से लगाया है। दरअसल चालक ट्रक लेकर गोदाम से निकला था। इसके आधार पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई।हुसैनगंज प्रतिनिधि के अनुसार थाना क्षेत्र के जगतपुर आदिल बाबूगंज निवासी बिंदेलाल (35) ट्रक चालक था। वह त्योहार पर दोपहर को शहर में ट्रक खड़ा कर पड़ोसी रामू के साथ बाइक से घर लौट रहा था। बाइक सवार थाना क्षेत्र के कढ़ीवा नहर पुलिया के पास पहुंचे। सामने से आ रहे ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दोनों घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बाइक चालक बिंदेलाल को मौके पर मृत पाया। पीछे बैठे घायल रामू को जिला अस्पताल भेजा। मृतक अपने पीछे बेटी लक्ष्मी (6), अलका (4), आयुष (3) और आशीष (1) को छोड़ गया है। पति की मौत से पत्नी रेखा बेहाल है। हादसा करने वाला चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस के मुताबिक बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे।

मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने के लिए बेताब रहे श्रद्धालु

विंध्याचल। गुरु पूर्णिमा पर सोमवार को मां विंध्यवासिनी के दर्शन–पूजन के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। विंध्य धाम में काफी संख्या में भक्तजनों ने मत्था टेककर सुख–समृद्धि की कामना की। माता के जयकारे से समूचा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा।गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। दीवानघाट, पक्काघाट सहित अन्य घाटों पर स्नान के पश्चात हाथों में नारियल, चुनरी व प्रसाद लिए भक्त मंदिर की ओर जाने वाले विभिन्न मार्गों पर कतारबद्ध रहे। गलियों में साफ–सफाई का अभाव रहा। जगह–जगह कीचड़ रहने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। लंबी कतारों में घंटों प्रतीक्षा के बाद लोगों को माता का दर्शन हो रहा था। मां विंध्यवासिनी के दर्शन–पूजन के पश्चात मंदिर परिसर में विराजमान अन्य देवी–देवताओं का भी लोगों ने दर्शन–पूजन किया। इसके अलावा लोगों ने काली खोह व अष्टभुजा देवी मंदिर पहुंचकर भी दर्शन–पूजन किया।उधर, सोमवार को कोटार नाथ धाम पहुंचकर शिवभक्तों ने भोलेनाथ का दर्शन–पूजन किया। दर्शन–पूजन से पहले अदवा नदी में लोगों ने स्नान भी किया। इसी तरह गड़बड़ा धाम स्थित मां शीतला माता मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

हत्याकांड में जमानत पर रिहा युवक के काफिले का वीडियो वायरल, भौकाल जमाते घूमाता रहा हूटर वाली कार

संवाददाता

मिर्जापुर। कटरा कोतवाली क्षेत्र के दुर्गा बाजार मोहल्ले में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। कई बार मारपीट हो चुकी थी। जून 2022 में हुई मारपीट में मुकेश उर्फ गोलू मिश्रा की मौत हो गई थी। मौत होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में कई लोग गिरफ्तार हुए। इसमें विसुंदरपुर निवासी मनी यादव भी गिरफ्तार हुआ।कटरा कोतवाली क्षेत्र के दुर्गा बाजार में एक वर्ष पहले मुकेश मिश्रा हत्याकांड में जमानत पर रिहा युवक के काफिले का वीडियो वायरल होने पर शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।कटरा कोतवाली क्षेत्र के दुर्गा बाजार मोहल्ले में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। कई बार मारपीट हो चुकी थी। जून 2022 में हुई मारपीट में मुकेश उर्फ गोलू मिश्रा की मौत हो गई थी। मौत होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में कई लोग गिरफ्तार हुए। इसमें विसुंदरपुर निवासी मनी यादव भी गिरफ्तार हुआ।छह माह पहले उसे प्रशासनिक आधार पर जिला कारागार से वाराणसी कारागार भेज दिया गया। कुछ दिन पहले वह वाराणसी जेल से जमानत पर रिहा हुआ। सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें हूटर बजाने के अलावा वाहनों के काफिले के साथ उसका स्वागत हो रहा है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सीओ सिटी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि वायरल वीडियो के मामले में धारा 144 लागू होने के बाद भी नियमों का उल्लंघन करने पर मनी यादव पर मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही वाहन को एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया है।

आतंक का सरगना पाकिस्तान आतंकवाद से परेशान, एससीओ समिट में बोले शहबाज- इससे पूरी ताकत से लड़ना जरूरी

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद को राजनीतिक लाभ के लिए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के किसी भी प्रलोभन में बचा जाना चाहिए।पूरी दुनिया इस बात से वाकिफ है पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री है। पाकिस्तान में आज भी दुनियाभर में घोषित आतंकवादी खुले घूम रहे हैं। लेकिन आज आतंकवाद को अपनी जमीन पर पनाह देने वाला पाकिस्तान खुद इससे परेशान है। इसका उदाहरण है कि एससीओ समिट में पाक पीएम शहबाज शरीफ ने आतंकवाद से दृढ़ विश्वास से निपटने की वकालत की।उन्होंने मंगलवार को आतंकवाद और उग्रवाद को कई सिर वाला राक्षस कहा। शहबाज ने कहा कि आतंकवाद चाहे व्यक्तियों, समूहों या राज्य स्तर पर हो उससे पूरी ताकत और दृढ़ विश्वास के साथ लड़ा जाना चाहिए। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद (सीएचएस) की 23वीं बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यकों के बारे में भी बात की। पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद को राजनीतिक लाभ के लिए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के किसी भी प्रलोभन में बचा जाना चाहिए। उन्होंने किसी भी तरह का आतंकवाद की निंदा करते हुए कहा कि बिना कारण निर्दोष लोगों की हत्या का कोई औचित्य नहीं हो सकता है। आगे कहा कि आतंकवाद के संकट से लड़ने में पाकिस्तान द्वारा किए गए बलिदानों की कोई तुलना नहीं है, लेकिन आतंकवाद पाकिस्तान को प्रभावित कर रहा है उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर भी बात की और किसी भी देश का नाम लिए बिना कहा कि घरेलू राजनीतिक एजेंडे की पूर्ति के लिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को आरोपी बनाने की प्रथा बंद की जानी चाहिए। पीएम शरीफ ने कश्मीर मुद्दे को भी उठाने की कोशिश की और लंबे समय से लंबित विवादों के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. अरुणिमा श्रीवास्तव बनी सवायजपुर की उपजिलाधिकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–(हरदोई)' शासन ने सवायजपुर उपजिलाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह का स्थानांतरण गैर जनपद होने पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव को तहसील सवायजपुर का नया उपजिलाधिकारी नियुक्त किया है। नवागत उपजिलाधिकारी डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव ने बुधवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर विभागीय कार्यभार ग्रहण किया। बता दें कि बीते सप्ताह शासन से बड़े पैमाने पर तहसीलदारों को प्रोन्नत किया गया था । जिसके चलते शासन से जारी की गई सूची में डॉ श्रीवास्तव को तहसीलदार के पद से एस डी एम के पद पर प्रोन्नत किया गया। एसडीएम बनने से पूर्व डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव तहसील सवायजपुर में तहसीलदार के पद पर तैनात थीं। डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव की निष्पक्ष कार्यशैली , एवं उनकी कार्यकुशलता से शासन की मंशानुरूप पारदर्शिता के साथ पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम किया है। उनकी कार्यशैली को दृष्टिगत रखते हुए डी एम एम पी सिंह ने उन्हें सवायजपुर का उपजिलाधिकारी नियुक्त किया है।

सिर्फ कांबिग के भरोसे दहशत में कट रही रात

संवाददाता

सीतापुर। क्षेत्र में बाघ का खौफ इस कदर हावी है कि लोगों ने घरों से निकलना तक बंद कर दिया है। काफी जरूरी होने पर ही प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण झुंड बनाकर आवागमन को विवश हो रहे हैं। दूसरी तरफ वन विभाग महज कांबिग के भरोसे बाघ को पकड़ने के दावे तक ही सिमटा है। इससे खौफजदा ग्रामीणों को अपने परिवार व पशुओं की सुरक्षा के लिए रात जागकर काटना पड़ रही है।बीते कई माह से बाघ महोली में किसी न किसी इलाके में अपनी आमद दर्ज करा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग के कर्मचारी महज कांबिग के सहारे इसे पकड़ने की खानापूर्ति में ही जुटे दिख रहे हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग बाघ को पकड़ने के लिए अभी तक कोई समुचित व्यवस्था तक नहीं कर पाया है। बाघ की दहशत से इलाके के किसानों की खेती भी चौपट हो रही है। इस कारण लोग खेती किसानी से जुड़े कार्य तक नहीं कर पा रहे हैं। खेत भी रोपाई के लिए तैयार है। लेकिन बाघ के खौफ से मजदूर न मिल पाने से रोपाई का कार्य ठप पड़ा है।वन विभाग की टीम ने बाघ पकड़ने के लिए जहांसापुर क्षेत्र में कांबिंग की है। कहीं भी कोई ताजा पग चिन्ह नहीं मिले हैं।

तीन जोन और आठ सेक्टरों में बांट कर होगी कांवरियों की सुरक्षा

संवाददाता

मिर्जापुर। सावन माह शुरू होने के साथ ही कांवड़ यात्रा शुरु हो जाती है। कांवरियों की सुरक्षा को देखते हुए जिले को तीन जोन और आठ सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। घाटों पर पीएसी फ्लड टीम, ट्रैफिक, महिला पुलिस कर्मियों के साथ ही एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी। कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग पर पीआरपी–112 की टीम प्रमुख स्थानों पर लगाई जाएगी।एएसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि कांवड़ यात्रा का प्रमुख मार्ग बरिया घाट से शिवद्वार का मार्ग है। इसी तरह से प्रयागराज से वाराणसी जाने वाले कांवरियों के लिए जिले के कछवां थाना क्षेत्र के हाईवे के अलावा चील्ह थाना क्षेत्र और अहरौरा हाईवे पड़ता है। इन प्रमुख मार्गों को देखते हुए जिले को तीन जोन और आठ सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जोन के प्रभारी सीओ और मजिस्ट्रेट रहेंगे। सेक्टर के प्रभारी थानाध्यक्ष रहेंगे।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।